संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 56
पृष्ठ 8
गुरुवार
14 नवम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com   सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- रोज सुबह चबाएं बस....   विचार- नये मुख्य न्यायाधीश....   खेल- गौतम गंभीर और रिकी ....

'बुल्डोजर न्याय' के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का फैसला, बिना कानूनी प्रक्रिया तोड़-फोड़ करने वाले होंगे दंडित

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने 'बुल्डोजर न्याय' के खिलाफ बुधवार को सख्त फैसला सुनाया और देशव्यापी दिशा– निर्देश जारी करते हुए कहा बिना उचित कानूनी प्रक्रिया का पालन किये किसी अपराध के दोषी या आरोपी की संपत्ति के साथ तोड़–फोड़ करने वाले अधिकारी दंडित किए जाएंगे। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने आश्रय के अधिकार को संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मौलिक अधिकार का एक पहलू बताते हुए कहा कि किसी अपराध के आरोपी या दोषी की रिहायशी या व्यावसायिक संपत्ति को कानून की उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना ध्वस्त नहीं किया जा सकता है। पीठ ने सरकारी अधिकारियों द्वारा इस तरह की मनमानी और अत्याचारपूर्ण कार्रवाई के खिलाफ विस्तृत दिशा–निर्देश जारी करते हुए कहा कि अधिकारियों द्वारा 'बुलडोजर कार्रवाई' करना शक्ति के पृथक्करण के मूल सिद्धांत का उल्लंघन होगा, जिसके तहत न्यायपालिका को ऐसे मुद्दों पर निर्णय लेने का काम सौंपा गया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि नागरिकों के जीवन, स्वतंत्रता और संपत्ति को मनमाने ढंग से नहीं छीना जा सकता है। कानून–व्यवस्था बनाए रखना और नागरिकों की सुरक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है। अदालत ने दोषी ठहराए जाने तक आरोपी के निर्दोष होने के अनुमान के सिद्धांतों पर जोर देते हुए कहा कि दोषी को भी मनमाने तरीके से की गई किसी भी कार्रवाई के खिलाफ कानून के तहत संरक्षण दिया गया है। पीठ ने कहा, महिलाओं, बच्चों और वृद्धों को इस तरह बेघर होते देखना सुखद दृश्य नहीं है। शीर्ष अदालत ने कहा कि अधिकारी न्यायपालिका द्वारा किए जाने वाले कार्यों को अपने हाथों में नहीं ले सकते और नागरिकों के मौलिक और वैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करते हुए कार्य नहीं कर सकते। अदालत ने कहा कि यदि कार्यपालिका किसी व्यक्ति को दोषी घोषित करना शुरू कर दे तो यह पूरी तरह से असंवैधानिक होगा। ऐसे मामलों में अनधिकृत निर्माण हो सकते हैं, जिन पर समझौता किया जा सकता है। अदालत ने कहा कि किसी घर या व्यावसायिक संपत्ति को गिराने से पहले संबंधित अधिकारियों को यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि उनके पास कोई अन्य विकल्प उपलब्ध नहीं है। पीठ ने कहा कि घर का निर्माण परिवार के वर्षों के सपने, आकांक्षाओं और सामूहिक उम्मीद का परिणाम है। नागरिकों की आशंकाओं को दूर करने के लिए न्यायालय ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत निर्देश जारी किए कि पूर्ण न्याय करते हुए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करने से पहले व्यक्ति को 15 दिन का नोटिस दिया जाना चाहिए, जिसमें अनधिकृत निर्माण की प्रकृति और सीमा का उल्लेख हो। न्यायालय ने सरकारी अधिकारियों द्वारा की जाने वाली ऐसी कार्रवाई का विवरण देने के लिए एक डिजिटल पोर्टल बनाने का भी निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि ध्वस्तीकरण आदेश 15 दिनों तक लागू नहीं किया जाएगा और सभी कार्यवाही की वीडियोग्राफी की जानी चाहिए और उसे डिजिटल पोर्टल पर प्रदर्शित किया जाना चाहिए। पीठ ने स्पष्ट किया कि किसी भी अधिकारी द्वारा उसके (शीर्ष अदालत के) आदेश का उल्लंघन करने पर अवमानना घ्कार्यवाही और अभियोजन अलग से चलाया जाएगा। ऐसे मामलों में संपत्ति की वापसी और नुकसान की भरपाई के लिए अधिकारी जिम्मेदार होंगे। शीर्ष अदालत ने संबंधित अधिकारियों के लिए परिपत्र जारी करने के लिए सभी उच्च न्यायालयों और राज्य सरकारों को अपना आदेश भेजने का निर्देश दिया। शीर्ष न्यायालय ने यह फैसला जमीयत उलमा ए हिंद और अन्य द्वारा दायर याचिका पर दिया, जिसमें सभी राज्य सरकारों द्वारा मनमानी कार्रवाई की वैधता पर सवाल उठाया गया था। हालांकि, अदालत ने स्पष्ट किया कि ये निर्देश सार्वजनिक भूमि, सड़कों, जल निकायों और रेलवे से सटी भूमि पर अनधिकृत निर्माणों पर लागू नहीं होंगे।

झारखंड में जेएमएम और कांग्रेस का हो जाएगा सूपड़ा साफ : नरेंद्र मोदी

● हर बूथ में रोटी–बेटी और माटी बचाने का संकल्प दिख रहाः पीएम मोदी

रांची, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज झारखंड के देवघर के सारठ विधानसभा में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए हेमंत सरकार को बांग्लादेशी घुसपैठियों के मुद्दे पर घेरा। श्री मोदी ने कहा कि घुसपैठियों ने आपका रोजगार और जमीन छीनी है। उन्होंन कहा कि इस बार झारखंड में जेएमएम और कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो जाएगा। श्री मोदी ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा और कहा कि कांग्रेस जाति के आधार पर लोगों को बांटने का काम कर रही हैघ ।कई जातियों के नाम गिनाते हुए उन्होंने कहा कि ये सभी ओबीसी हैं लेकिन कांग्रेस चाहती है कि ये जातियों आपस में लड़ जाएं। कांग्रेस चाहती है कि आदिवासी आपस में लड़ जाएं। श्री मोदी ने कहा कि भाजपा ने झारखंड बनाया और हम ही इस संवारेंगे। कहा कि झारखंड की ऊर्जा से पूरा देश रोशन हो रहा है लेकिन मेरा सपना है कि झारखंड देश के आग्रिम राज्यों में खड़ा हो कहा कि आज झारखंड में मतदान हो रहा है। हर बूथ में रोटी–बेटी और माटी बचाने का संकल्प दिख रहा है। श्री मोदी ने कहा कि मैं झारखंड में जहां भी गया हर जगह घुसपैठ सबसे बड़ी चिंता है। झारखंडी गौरव झारखंड की पहचान है। अगर ये खत्म हो जाएगी तो क्या होगा। उन्होंने आकड़ों की बात करते हुए कहा संताल परगना में आदिवासियों की संख्या आधी रह गई है। झारखंड के जल–जंगल और जमीन पर दूसरे कब्जा कर रहे हैं। जेएमएम–कांग्रेस सरकार घुसपैठियों को यहां का परमानेंट निवासी बनाने के लिए हर गलत काम किए हैं। श्री मोदी ने परिवारवाद पर कड़ा प्रहार करते हुए जेएमएम, कांग्रेस और आरजेडी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इन लोगों को सिर्फ अपने परिवार के भविष्य की चिंता है। ये इसी तिकड़म में रहते हैं कि इनके परिवार का भला कैसे हो। लेकिन मोदी आपके परिवार की चिंता करते हैं। इन लोगों ने आपका जल लूटा, जंगल लूटा, जमीन लूटी, बालू–गिट्टी लूटा, कोयला लूटा।

मुर्मु 21 नवंबर से हैदराबाद के दो दिवसीय दौरे पर

हैदराबाद, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 21 नवंबर से हैदराबाद की दो दिवसीय यात्रा पर होंगी। तेलंगाना की मुख्य सचिव शांति कुमारी ने राष्ट्रपति की यात्रा के मद्देनजर यहां वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की ।मुख्य सचिव ने यह सुनिश्चित करने के लिए कि राष्ट्रपति की यात्रा गरिमापूर्ण और सफल हो, अधिकारियों को मैनुअल के अनुसार व्यवस्था करने का निर्देश दिया। उन्होंने

राष्ट्रपति की यात्रा के लिए अधिकारियों को उचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया जिसमें पुलिस विभाग द्वारा पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था, यातायात और बंदोबस्त योजना शामिल है। यहां एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि अग्निशमन विभाग के मुख्य सचिव को आवश्यक कर्मचारियों के साथ सभी आयोजन स्थलों पर पर्याप्त अग्निशमन व्यवस्था और फायर टेंडर उपलब्ध कराने को कहा गया है। स्वास्थ्य विभाग को सहायक कर्मचारियों के साथ–साथ योग्य डॉक्टरों की सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।इसी तरह सड़क और भवन विभाग को आवश्यक बैरिकेडिंग और अन्य व्यवस्था करने के साथ ही ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) और पुलिस विभाग के समन्वय में सड़क की मरम्मत करने के लिए कहा गया है। म्यूनिसिपल एडमिनिस्ट्रेशन एडं अर्बन डेवलपमेंट (एमएयूडी) विभाग को राष्ट्रपति के ठहरने के स्थान के आसपास की सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। ऊर्जा विभाग को सभी आयोजन स्थलों पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा गया है।

अनियंत्रित कार ने बच्चों से भरे दो ई रिक्शा में मारी टक्कर, हादसे में 12 बच्चे घायल, चार रेफर

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ के आलमबाग इलाके के अंतर्गत सुबह करीब आठ बजे फतेहअली की ओर जा रही कार ने पीछे से स्कूल के बच्चों को लेकर जा रहे ई– रिक्शा नंबर UP32 MM 2258 व ई रिक्शा नंबर UP 32 QN 2293 को राजकीय उद्यान के सामने टक्कर मार दी। जिससे ई रिक्शा क्षतिग्रस्त होकर पलट गये। इससे ई रिक्शों में जा रहे स्कूली बच्चे घायल हो गए। आनन फानन में स्थानीय लोगों ने पुलिस को जानकारी देने के साथ ही रेस्क्यू अभियान चलाकर ई रिक्शे के नीचे दबे बच्चों को बाहर निकलवाया और

पुलिस की मदद से इंदौर रेलवे हॉस्पिटल फतेहअली में उपचार हेतु भर्ती करवाया। जहां पर उनका इलाज हो रहा हैं। ई रिक्शे में सवार छात्र सीएमएस और लखनऊ पब्लिक स्कूल के थे। हादसे में घायल छात्रों को अस्पताल में भर्ती करवा दिया गया है। घायल 12 छात्रों में से चार को प्राथमिक उपचार देकर घर भेज दिया गया है।

हमने जो कहा, वो किया : अमित शाह

● आघाड़ीवाले झूठे वादे करते हैं

धुले,एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महाराष्ट्र के धुले में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित किया। शाह ने दावा किया कि मोदी जी ने देश को समृद्ध और सुरक्षित बनाया है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के समय भारत विश्व अर्थव्यवस्थाओं की सूची में ग्यारहवें स्थान पर था लेकिन मोदी देश को पांचवें स्थान पर ले आये। 2027 में भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी। विपक्ष पर वार करते हुए शाह ने कहा कि आघाड़ीवाले झूठे वादे करते हैं। हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे जी ने कहा कि वही वादे करने चाहिए जो पूरे किए जा सकें। उन्होंने कहा कि कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकारें अपने वादे पूरे नहीं कर सकीं। लेकिन मोदी जी द्वारा किए गए वादे श्पत्थर की लकीरश हैं। हमने घोषणा की थी कि हम राम मंदिर का निर्माण करेंगे और ऐसा किया। न तो राहुल बाबा और न ही सुप्रिया सुले अपने वोट बैंक के कारण राम मंदिर के अभिषेक समारोह में शामिल हुए। 550 वर्षों में पहली बार, राम लला ने अयोध्या में दिवाली मनाई। भाजपा नेता ने कहा कि महायुति का अर्थ है श्विकासश और अघाड़ी (महा विकास अघाड़ी) का अर्थ है श्विनाशश। आपको तय करना है कि विकास करने वालों को सत्ता में लाना है या विनाश करने वालों को। उन्होंने कहा कि ये अघाड़ी केवल तुष्टिकरण करना चाहती है और उद्धव जी सत्ता के लिए बाला साहब ठाकरे जी के सिद्धांत को भूल कर बैठे हैं। उद्धव बाबू, आप उन लोगों के साथ बैठे हो जिन्होंने... औरंगाबाद का नाम संभाजी नगर करने का विरोध किया, राम मंदिर निर्माण का विरोध किया, तीन तलाक हटाने का विरोध किया, अनुच्छेद–370 हटाने का विरोध किया, सर्जिकल स्ट्राइक का विरोध किया, हिंदुओं को आतंकवादी कहने वालों के साथ बैठे हो। शाह ने कहा कि इस देश में लोग वक्फ के कानून से परेशान हैं। हालही में कर्नाटक में वक्फ बोर्ड ने निर्णय किया कि गांव के गांव वक्फ की संपत्ति है। 400 साल पुराने मंदिर, किसानों की भूमि व लोगों के घर वक्फ की संपत्ति हो गए। हम वक्फ कानून में संशोधन का बिल लाए हैं, लेकिन राहुल बाबा और पवार साहब बिल का विरोध कर रहे हैं। राहुल गांधी, सुन लो, डंके की चोट पर पीएम मोदी वक्फ कानून में संशोधन करेंगे।

दिल्ली–एनसीआर में धुंध, वायु गुणवत्ता बिगड़ी

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के अन्य हिस्सों में बुधवार सुबह धुंध की घनी चादर छायी रही, जिससे दृश्यता कम हो गयी और हवा की गुणवत्ता खराब हो गयी। राष्ट्रीय राजधानी में हवा की गुणवत्ता की श्रेणी बहुत खराब बनी हुई है, सुबह 08 बजे तक एक्यूआई 361 तक पहुंच गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी के कुछ हिस्सों में एक्यूआई 400 का आंकड़ा पार करते हुए गंभीर स्तर तक पहुंच सकता है। आनंद विहार स्टेशन पर एक्यूआई 399 दर्ज किया गया, बवाना का एक्यूआई 390 दर्ज किया गया, सोनिया विहार का एक्यूआई 388 तक पहुंच गया, पंजाबी बाग का एक्यूआई 382 दर्ज किया गया, और रोहिणी का एक्यूआई 376 दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने भविष्यवाणी किया है कि दिल्ली और एनसीआर में पूरे सप्ताह रात और सुबह के दौरान धुंध और हल्का कोहरा रहने का अनुमान है।

राष्ट्रपति ने सिलवासा में स्वामी विवेकानंद विद्या मंदिर का उद्घाटन किया

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव के सिलवासा में स्वामी विवेकानंद विद्या मंदिर, झंडा चौक का उद्घाटन किया तथा एक सार्वजनिक समारोह को संबोधित किया। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव के लोगों ने जिस गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत किया है, वह हमेशा उनकी यादों में अंकित रहेगा। उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश के लोगों को

गर्मजोशी से स्वागत के लिए धन्यवाद दिया। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि उन्हें झंडा चौक स्कूल का उद्घाटन करते हुए खुशी हो रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन ने उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई प्रयास किए हैं। छात्रों को गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा प्रदान करने के लिए 2018 में सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज शुरू किया गया था तथा 2022 में निफ्ट की स्थापना की गई थी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये प्रयास केंद्र शासित प्रदेश के युवाओं के लिए एक बड़ा अवसर प्रदान करेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि इस क्षेत्र में समृद्ध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत है। इसी वजह से दादरा, नगर हवेली, दमन और दीव अच्छे पर्यटन स्थल हैं। पर्यटन सुविधाओं के विकास के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर उन्हें खुशी है।

गोवा में व्यापम जैसे घोटाले, भाजपा से जुड़े हैं तार : कांग्रेस

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने बुधवार को कहा कि गोवा में पिछले 10 वर्ष के दौरान सरकारी नौकरियों में भर्ती को लेकर व्यापम की तरह कई बड़े घोटाले हुए हैं और इन सब घोटालों से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)के तार जुड़े हुए हैं। गोवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष गिरीश चडोनकर और कांग्रेस सचिव आलोक शर्मा आज यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि गोवा में नौकरियों के नाम पर पिछले 10 साल से युवाओं के साथ धोखा हो रहा है और अब गोवा में नौकरियों का घोटाला सामने आया है।उन्होंने कहा, ''मोदी जी ने कहा था–न खाऊंगा, न खाने दूंगा। लेकिन आज हालात ये हैं कि जब भी किसी परीक्षा में धांधली होती है, चाहे मध्य प्रदेश का व्यापम घोटाला हो,उत्तराखंड के विधानसभा का घोटाला हो, गुजरात में 22 पेपरलीक की घटनाएं हो,हरियाणा में नौकरियों का घोटाला हो या यूपीएससी या नीट का घोटाला हो इन सभी में एक बात समान है कि सबके तार कहीं न कहीं भाजपा से जुड़े मिलते हैं।'' कांग्रेस नेताओं ने कहा, ''हमारा आरोप है कि 2019 के बाद जो भी भर्तियां हुई हैं, उनमें प्रोसेस स्कैम हुआ है, जिसमें सही प्रक्रिया नहीं अपनाई गई। गोवा का ये घोटाला बिल्कुल मध्य प्रदेश के व्यापम तरह है। इस इस घोटाले में जो भी लोग गिरफ्तार हुए हैं, उन सभी की तस्वीरें भाजपा के नेताओं के साथ हैं।

'नवम्बर माह का सावित्री देवी स्मृति सम्मान शहर समता विचार मंच इंदौर इकाई की जिलाध्यक्ष आशा जाकड़ जी को दिया जाएगा'

प्रयागराज । हर माह मिलने वाला सावित्री देवी स्मृति सम्मान नवम्बर 2024 का शहर समता महिला काव्यगोष्ठी इंदौर इकाई की जिलाध्यक्ष आशा जाकड़ जी को दिया जाएगा। आशा जाकड़ जी पर चार पेज का सावित्री देवी स्मृति सम्मान विशेषांक भी प्रकाशित होगा, जिसमें रचनाकार को 30–35 कविताएं, कहानी, अपना जीवनवृत्त और अपना आत्मसंघर्ष टाइप करके देना पड़ेगा। साथ में एक पोस्ट कार्ड साइज की फोटो भी।

आयोग ने कहा- सिस्टम आधारित होगी मूल्यांकन प्रक्रिया, मानव हस्तक्षेप कम

प्रयागराज। प्रतियोगी छात्रों के चल रहे प्रदर्शन के बीच उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने कहा है कि बदलते समय की अवश्यकताओं के मद्देनजर व्यवस्था व परीक्षा प्रणाली में सुधार किया जाता रहा है। अन्य आयोगों की बेस्ट प्रैक्टिसेज, विशेषज्ञों के सुझाव आदि के आधार पर भी बदलाव किए जाते हैं। इसी क्रम में प्रतियोगी छात्रों की सुविधा और परीक्षाओं की शुचिता को देखते हुए बदलाव किए गए हैं। आयोग के प्रवक्ता ने कहा कि आयोग ने नॉर्मलाइजेशन का फॉर्मूला पारदर्शी तरीके से प्रतियोगी छात्रों के बीच रखा। जहां किसी एक विज्ञापन के सापेक्ष एक से अधिक दिन, पाली में परीक्षाएं आयोजित कराई जाती हैं। वहां परीक्षा के मूल्यांकन के लिए प्रसामान्यीकरण (नार्मलाइजेशन) की प्रक्रिया अपनाया जाना आवश्यक है, जैसा कि देश के विभिन्न प्रतिष्ठित भर्ती निकायों, आयोगों में अपनाई जाती है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा नीट के लिए गठित राधाकृष्णन कमेटी ने भी दो पालियों में परीक्षा कराने की संस्तुति की है। वहीं पुलिस भर्ती परीक्षा भी कई पालियों में कराई गई। इस पूरी व्यवस्था में कम से कम मानव हस्तक्षेप सुनिश्चित किया जा रहा है। सब कुछ सिस्टम आधारित है। तकनीकी का प्रयोग कर व्यवस्था को सरल और पारदर्शी बनाया गया है। मूल्यांकन में रोल नंबर को फेक नंबर में बदलकर नॉर्मलाइजेशन की प्रक्रिया की जाएगी। इससे किसी अभ्यर्थी का रोल नंबर मालूम नहीं चलेगा व मूल्यांकन प्रक्रिया पूरी तरीके से पारदर्शी होगी। आयोग के प्रवक्ता ने कहा कि आयोग की परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन को भी फूलप्रूफ बनाया गया है। शुचितापूर्ण मूल्यांकन के लिए कॉपियों पर रोल नंबर की जगह एक खास कोड होता है। इससे परीक्षक को यह नहीं पता चल पाता कि वह किसकी कॉपी जांच रहा है। यह भी सुनिश्चित किया गया है कि एक परीक्षक एक दिन में 25 से ज्यादा कॉपियां न जांचे। हर परीक्षक 25 कॉपियों का मूल्यांकन करने के बाद एक विशेषज्ञ, दूसरे विशेषज्ञ की कॉपियों को क्रॉस चेक करते हैं। इसके बाद मुख्य परीक्षक द्वारा चेककर प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकित कॉपियां त्रुटि रहित और गुणवत्तापूर्ण मूल्यांकित है। आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2022–23 में 13353 पद विज्ञापित किए गए, जिसके सापेक्ष 12244 पदों पर 31 मार्च 2023 तक चयन प्रकिया पूरी की गई। जो विज्ञापित पदों का 91.70 प्रतिशत है। वहीं, वर्ष 2023–24 में 5763 पद विज्ञापित किए गए, जिसके सापेक्ष 5686 पदों पर 31 मार्च 2024 तक चयन प्रकिया पूरी की गई, जो विज्ञापित पदों का 98.66 प्रतिशत है।

वर्तमान वर्ष 2024–25 में 6891 पद विज्ञापित किए गए, जिसके सापेक्ष अब तक 2792 पदों की चयन प्रकिया पूरी की गई, जो विज्ञापित पदों का 40.57 प्रतिशत है। आयोग ने अप्रैल 2017 से नवंबर 2024 तक 67934 पदों की चयन प्रक्रिया पूरी की, इसमें 46675 अभ्यर्थी चयनित हुए।

हंडिया में सिर कूंचकर युवक की हत्या, चारपाई पर मिला खून से लथपथ शव

प्रयागराज। हंडिया थाना क्षेत्र के लाक्षागृह गांव में मंगलवार की रात छप्पर में सो रहे एक अंडा के दुकानदार युवक की अज्ञात हमलावरो ने सिर कूच कर हत्या कर दी। सुबह जब देर तक वह वापस घर नहीं पहुंचा तब घर वाले उसका पता लगाने के लिए

छप्पर के पास गए। चारपाई पर खून से लथपथ मृत पड़े उसे देखकर परिवार के होश उड़ गए। सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पूछताछ के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक चार भाइयों में दूसरे नंबर पर था। लाक्षागृह गांव निवासी बादल वर्मा (19) पुत्र बबलू वर्मा अंडे की दुकान लगाकर परिवार का भरण पोषण करता था। रोज की तरह खाना खाने के बाद वह अपने छप्परनुमा घर में सोने के लिए चला गया। सुबह काफी देर तक सोकर न उठने पर परिजन जब उसको जगाने के लिए गए तो खून से लथपथ उसका शव देखकर चीख पड़े। उसके सिर को बुरी तरह से किसी वजनी वस्तु से कूंचा गया था। ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। घटना के पीछे कारणों का पता नहीं चल सका है। सूचना पाकर पुलिस पहुंच गई और घटना स्थल से साक्ष्य एकत्र किए। परिवार के लोगों से भी पूछताछ की गई। कोतवाल बृजकिशोर गौतम ने बताया कि परिजनों द्वारा दिए गए अज्ञात हमलावर के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करके मामले की जांच की जा रही है।

प्रयागराज में 25 साल की प्रतियोगी छात्रा फंदे से लटकी:
एक महीने पहले किराए पर लिया था कमराय चौकी इंचार्ज का था घर आना-जाना

प्रयागराज। प्रयागराज के यमुना नगर के नैनी कोतवाली अंतर्गत गंगोत्री नगर इलाके में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही एक छात्रा की संदिग्ध स्थिति में कमरे में लाश मिली है। मकान मालिक ने पुलिस को सूचना दी जिस पर पुलिस ने मौके

पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। छात्रा के परिजनों को घटना की जानकारी दी गई है, वो प्रयागराज के लिए रवाना हो गए हैं। आसपास के लोगों ने बताया कि छात्रा के कमरे में प्रयागराज के एक थाने में तैनात चौकी इंचार्ज का अक्सर आना–जाना था। हालांकि, छात्रा और चौकी इंचार्ज के बीच संबंध क्या था, यह अभी स्पष्ट नहीं है और इस मामले में आगे की जांच की जा रही है। मूल रूप से एटा जिले के निवासी सुरेंद्र सिंह की 25 वर्षीय बेटी प्रयागराज में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही थीं। पिछले एक माह से वह नैनी के गंगोत्री नगर में लालजी पटेल के घर के भूतल में कमरा किराए पर लेकर रह रही थीं। मंगलवार देर रात मकान मालिक ने डायल 112 पर सूचना दी कि उनके यहां किराए पर रहने वाली छात्रा ने अपने कमरे में दरवाजे के ऊपर की खिड़की से दुपट्टे का सहारा लेकर फांसी लगा ली है। सूचना पर पुलिस अधिकारी एसीपी करछना वरुण कुमार और नैनी पुलिस वहां पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने मौके से उंगलियों के निशान और अन्य सबूत एकत्र किए। पुलिस ने बताया कि जब टीम मौके पर पहुंची तो छात्रा का शव फंदे से उतारा जा चुका था। पुलिस को कमरे से कुछ दवाइयां और मेडिकल जांच की रिपोर्ट भी मिली हैं, जिनकी पुलिस द्वारा जांच की जा रही है। पुलिस ने मृतका के परिजनों को सूचित किया। मोहल्ले वालों के अनुसार, छात्रा यहां एक माह पहले ही किराए पर रहने आई थीं और एक नजदीकी थाने के चौकी इंचार्ज (सब इंस्पेक्टर) का उनके घर पर आना–जाना था। हालांकि, चौकी इंचार्ज और छात्रा के बीच संबंधों का वास्तविक स्वरूप मृतका के परिजनों या पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

सपा विधायक पूजा पाल भाजपा प्रत्याशी के लिए मांग रहीं वोट, बोलीं- योगी ने दिलाया न्याय

प्रयागराज। समाजवावादी पार्टी की विधायक पूजा पाल फूलपुर उप चुनाव में भाजपा प्रत्याशी दीपक पटेल के लिए वोट मांग रही हैं। उन्होंने कई गांवों में दौरा कर भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करने की अपील की। पूजा पाल पूर्व विधायक राजू पाल की पत्नी हैं, जिनकी माफिया अतीक अहमद और अशरफ ने हत्या करवा दी थी। पूजा पाल वर्तमान में कौशाम्बी जिले की चायल विधानसभा सीट से सपा की विधायक हैं। उन्होंने राज्यसभा चुनाव में सपा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान न करके भाजपा के उम्मीदवार को वोट दिया था। इसके बाद से सपा ने उनसे दूरी बना ली है। पूजा पाल ने कहा कि जिसने उन्हें न्याय दिलाया हम उसके साथ हैं। अतीक अहमद से लड़ना काफी कठिन था, लेकिन योगी ने न्याय

दिलाने का कार्य किया। 18 साल से अतीक से लड़ रहे थे। पूजा ने कहा कि जिसने हमारा और हमारे समाज का सम्मान बढ़ाया है हम उसके साथ हैं। पूजा पाल ने लोकसभा चुनाव में भी समाजवादी पार्टी से दूरी बनाए रखीं। वह अखिलेश यादव या सपा के अन्य किसी नेता के साथ मंच पर भी नजर नहीं आईं। हालांकि लोकसभा चुनाव में वह खुलकर भाजपा प्रत्याशी के लिए भी प्रचार नहीं किया था, लेकिन फूलपुर उप चुनाव में वह खुलकर भाजपा प्रत्याशी के लिए प्रचार कर रही हैं और पर्चे बांट रही हैं। उनके प्रचार का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। माफिया अतीक अहमद के भाई अशरफ को 2004 के विधानसभा चुनाव में शहर पश्चिमी से हराने के कुछ महीने बाद ही राजू पाल की गोली मारकर हत्या कर दी गई। राजू पाल ने बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था। हत्या का आरोप माफिया अतीक और उसके भाई अशरफ पर लगा। एक बाद हुए विधानसभा चुनाव में पूजा पाल ने खालिद अजीम उर्फ अशरफ को पराजित किया था। फूलपुर विधानसभा ओबीसी बाहुल्य है। यहां पर कुर्मी और यादव मतदाताओं की संख्या काफी अधिक है। यही कारण है कि भाजपा हर बार किसी पिछड़ी जाति से जुड़े व्यक्ति को ही चुनाव मैदान में उतारती है। इसके पहले प्रवीण पटेल यहां से विधायक थे। उनके सांसद बनने के बाद दीपक पटेल को भाजपा ने उप चुनाव में टिकट दे दिया है। दीपक की मां केशरी देवी पटेल फूलपुर से सांसद भी रह चुकी हैं और दीपक करछना सीट से बसपा के टिकट पर विधानसभा पहुंच चुके हैं। बाद में उन्होंने भाजपा का दामन थाम लिया था।

राज्य षि सेवा प्रारंभिक परीक्षा परिणाम को चुनौती, याचियों के प्राप्तांक तलब

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उप्र लोक सेवा आयोग को राज्य कृषि सेवा परीक्षा 2024 की प्रारंभिक परीक्षा में याचियों को मिले अंक पेश करने का आदेश दिया है। इस पर याची अपनी आपत्ति दाखिल कर सकेंगे। यह आदेश न्यायमूर्ति नीरज तिवारी की अदालत ने देवेश वत्स व दो अन्य की ओर से प्रारंभिक परीक्षा के परिणाम की वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर दिया है। याची के अधिवक्ता सिद्धार्थ खरे व अनुराग कुमार ओझा ने दलील दी कि उप्र लोक सेवा आयोग ने 10 अप्रैल 24 को भर्ती विज्ञापन निकाला। याचियों ने प्रारंभिक परीक्षा दी। विज्ञापन की शर्तों के मुताबिक मुख्य परीक्षा के लिए एक पद के सापेक्ष 15 अभ्यर्थियों को सफल घोषित किया जाना था। लेकिन, एक पर साढ़े सात के अनुपात में 2029 अभ्यर्थी सफल घोषित किए गए। जबकि, नियमानुसार 4020 अभ्यर्थियों को सफल घोषित करना चाहिए था। इसके अलावा याचियों ने आयोग की उत्तर कुंजी पर भी आपत्ति दर्ज कराई थी। इसका निस्तारण नहीं किया गया। लिहाजा, 18 सितंबर 24 को घोषित प्रारंभिक परीक्षा परिणाम रद्द किए जाने योग्य है। वहीं, आयोग के अधिवक्ता एमएन सिंह ने कोर्ट को बताया कि भर्ती की शर्त है कि सामान्य श्रेणी के लिए 40 फीसदी व आरक्षित श्रेणी के लिए 35 फीसदी अंक पाना अनिवार्य है। जबकि, आनुपातिक आधार पर निर्धारित अंक पाने वाले अभ्यर्थियों की संख्या कम होने के कारण, कम अभ्यर्थियों को सफल घोषित किया गया है। इसके अलावा यह भी स्पष्ट किया कि परीक्षा परिणाम याची संख्या तीन की उत्तर कुंजी पर की गई आपत्ति पर विचार करके ही परिणाम घोषित किया गया है। कोर्ट ने मामले को विचारणीय मानते हुए 14 नवंबर तक याचियों के प्राप्तांक अदालत में पेश करने का आदेश दिया है।

सरकारी बैरियर व बोर्ड तोड़ने, अशांति फैलाने में 12 पर केस, दर्जन भर हिरासत में लिए गए

प्रयागराज उप्र लोकसेवा आयोग के बाहर चल रहे प्रदर्शन के दौरान सरकारी बैरियर व कोचिंग का बोर्ड तोड़ने पर 12 लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई है। इनमें से दो नामजद व अन्य अज्ञात आरोपी हैं। उधर, माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने पर 10 को हिरासत में लिया गया है, जिनसे देर रात तक पूछताछ की जाती रही। सिविल लाइंस थाने में लोकसेवा आयोग चौकी प्रभारी कृष्णमुरारी चौरसिया की तहरीर पर यह केस दर्ज किया गया है। इसमें उन्होंने बताया है कि लोकसेवा आयोग आरओध्एआरओ की परीक्षा 02 शिफ्टों में कराना चाहता है और परीक्षा तिथि भी घोषित की जा चुकी है। छात्र परीक्षा को 02 शिफ्टों में कराने

का विरोध कर रहे हैं तथा लगातार 11 नवंबर से विरोध धारना प्रदर्शन आयोग के समक्ष विभिन्न गेटों पर उपस्थित होकर कर रहे हैं। प्रदर्शन के दृष्टिगत वह मंगलवार को आयोग के पास ड्यूटी पर थे तभी देखा कि समय करीब दोपहर एक बजे आयोग के गेट नंबर दो के सामने नगर निगम के खंभे पर लगा कोचिंग का बोर्ड कुछ अराजक तत्वों ने सरकारी लोहे के मोबाइल बैरियर पर चढ़कर तोड़ दिया। सरकारी मोबाइल बैरियर भी क्षतिग्रस्त कर दिया। इनका यह कृत्य शांतिपूर्वक धारना दे रहे छात्रों को उग्रध हिंसक होने के लिए दुष्प्रेरण है। संवैधानिक संस्था (लोक सेवा आयोग) के सामने बैठकर, शोर मचाकर उसके कार्यों को भी प्रभावित अर्थात सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न किया गया। यह भी अवगत कराना है कि धारा 163 बीएनएसएस भी लागू है और घटना का वीडियो भी उपलब्ध है। वीडियो देखने से अराजक तत्वों की पहचान अभिषेक शुक्ला और राघवेन्द्र के रूप में हुई। शेष अन्य 10 व्यक्तियों की पहचान अभी शेष है। उधर अराजकता की कोशिश पर पुलिस ने मंगलवार को 10 लोगों को हिरासत में भी लिया। उन्हें थाने ले जाकर देर रात तक पूछताछ की जाती रही। आरोप है कि वह अराजकता फैलाकर छात्रों को उकसाने व आंदोलन को उग्र रूप देने का प्रयास कर रहे थे। लोक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है। अराजक तत्वों पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

प्रतापगढ़ से खराब प्रयागराज की आबोहवा

प्रयागराज की आबोहवा प्रतापगढ़ से भी अधिक खराब हो गई है। यद्यपि मंडल के दोनों जिले अब यलो जोन में हैं, लेकिन प्रयागराज का औसत एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) प्रतापगढ़ से अधिक हो गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से हवा में प्रदूषण जांचने के लिए लगाए गए यंत्रों के अनुसार बुधवार सुबह नौ बजे प्रयागराज का एक्यूआई 122 रहा। वहीं, प्रतापगढ़ का एक्यूआई 104 था। शहर के झूंसी में उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के कार्यालय में लगे यंत्र में 130 और सिविल लाइंस के नगर निगम में एक्यूआई 130 और 115 दर्शा रहा था। झूंसी की आबोहवा में मोटे धूल (पीएम–10) की मात्रा अधिकतम 399 तक पहुंच गई, जो अस्वस्थ लोगों के लिए ठीक नहीं है। सिविल लाइंस की हवा में पतली धूल (पीएम–2.5) की मात्रा अधिकतम (227) पाई गई।

प्रयागराज में भवनों के अपशिष्ट निस्तारण का शुल्क तय

प्रयागराज। भवनों के सेप्टिक टैंक से अपशिष्ट निकासी के लिए निर्धारित शुल्क देना होगा। भवनों के प्रकार के आधार पर अपशिष्ट निकासी के लिए अलग–अलग दरें तय की गई हैं। जलकल के साथ प्राइवेट एजेंसी भी अपशिष्ट का निस्तारण करेंगी। भवनों के प्रकार के आधार पर अपशिष्ट निस्तारण के लिए जलकल विभाग भवनस्वामियों से शुल्क वसूलेगा। भवनों के सेप्टिक टैंक से अपशिष्ट निकासी के लिए प्रदेश सरकार ने गजट जारी किया है। गजट जारी करने के पहले जलकल ने अलग–अलग भवनों के सेप्टिक टैंक से निकलने वाले अपशिष्ट के लिए प्रस्तावित दरों पर लोगों से सुझाव मांगे। नगर निगम सदन ने प्रस्तावित दरें लागू करने के लिए संकल्प पारित किया। शहरी भवनस्वामियों से सुझाव नहीं मिला तो भवनों के सेप्टिक टैंक से अपशिष्ट निकालने के लिए प्रस्तावित दरें लागू कर दीं। अपशिष्ट निस्तारण के लिए जल निगम ने सलोरी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के पास खास तरह का प्लांट तैयार किया है। जलकल के महाप्रबंधक कुमार गौरव ने बताया कि अपशिष्ट निकासी के लिए भवनों के आकार व प्रकार पर 300 से तीन हजार रुपये तक शुल्क निर्धारित किया है। निजी एजेंसियां भी यह काम कर सकेंगी, लेकिन उनको जलकल में अनिवार्य रूप से पंजीकरण कराना होगा। इससे पहले जलकल भवनों को सेप्टिक टैंक से अपशिष्ट निकासी के लिए एक हजार से दो हजार रुपये तक शुल्क वसूलता था।

जातियों के गणित में उलझा है यूपी की इस सीट का समीकरण... मतदाताओं के मन की थाह लेना नेताओं के लिए चुनौती

प्रयागराज। देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की कर्मभूमि के नाते सुर्खियां पाने

वाली फूलपुर की जनता के मूड का अनुमान लगाना तमाम सियासी पंडितों के लिए कभी आसान नहीं रहा। इस बार के उपचुनाव में भी यही स्थिति है। मुद्दा कोई है नहीं। जातीय गुणा–भाग के बीच सीधी लड़ाई सपा और भाजपा के बीच है। चुनाव के दरम्यान ही प्रत्याशी बदल देने से बसपा की भूमिका वोटकटवा से अधिक कुछ नहीं दिख रही। भाजपा ने पूर्व विधायक दीपक पटेल पर दांव लगाया है तो सपा ने तीन बार के विधायक रह चुके मुज्तबा सिद्दीकी जैसे अनुभवी को फिर मौका दिया है। 2022 के चुनाव में मुज्तबा को 2700 मतों से हराने वाले भाजपा के प्रवीण पटेल अब सांसद हो चुके हैं और उपचुनाव की वजह भी। 2022 से ही सपा यहां भाजपा को तगड़ी चुनौती देती आई है। 2024 लोकसभा चुनाव में सपा यहां से करीब 18 हजार मत पाने में कामयाब रही थी। इसी कारण भाजपा केंद्र–प्रदेश सरकार की उपलब्धियों का बखान करने के साथ–साथ जातिगत गोटियां भी सेट करने में पूरी ताकत झोंके हुए है।चार लाख से ज्यादा मतदाताओं वाली इस सीट पर 70 हजार से ज्यादा कुर्मी वोटर हैं। सवर्ण मतों के साथ जुड़ाव को साधे रखकर भाजपा फिर दीपक को विधानसभा पहुंचाने की कोशिश में है। वहीं, दूसरी बड़ी बिरादरी यादव है, जो माई (मुस्लिम–यादव) समीकरण के कारण मजबूत स्थिति में दिखती है। लोकसभा चुनाव में अन्य पिछड़ी जातियों और दलितों का भी साथ मिल जाने से भाजपा बमुश्किल 4300 मतों से जीत पाई थी। इंडिया गठबंधन के नेता केंद्र–प्रदेश सरकार की विफलताएं गिनाने के साथ ही पिछड़ा ,दलित, अल्पसंख्यक (पीडीए) का जातीय फार्मूला ही फिर लगा रहे हैं। हालांकि, जमनीपुर के धनंजय मिश्रा और सत्यवान पांडेय इसे खारिज करते हुए कहते हैं, उपचुनाव तो सत्ता पक्ष के दबदबे का होता है। कुछ ही लोग हैं जो मुद्दों को देखकर वोट देते हैं। अमरेश त्रिपाठी रुद्रा और सुरेंद्र कुमार ने कहा कि लोकसभा चुनाव जैसा इस बार माहौल नहीं है। बसपा प्रत्याशी ठा. जितेंद्र कुमार सिंह के गांव कोटवा में सीएम योगी ने रविवार को जनसभा ही इसलिए की थी, ताकि भाजपा के परंपरागत सजातीय मतों का बिखराव रोका जा सके। कनिहार के रफीक ने कहा कि कछारी क्षेत्र में बांध का निर्माण जरूरी है। यहीं के चंद्रदेव त्रिपाठी कहते हैं कि नींवी, छवैया, दुबावल जैसे इलाके हर साल बाढ़ से लंबा नुकसान झेलते हैं। यह इस चुनाव के मुद्दे भले ही नहीं हैं, लेकिन हमारी मूक मांग बाढ़ का समाधान ही है। बाबा (सीएम योगी) से आवारा जानवरों से निजात दिलाने की गुजारिश भी है। हनुमानगंज बाजार में धर्मेंद्र जायसवाल, मंटू केसरवानी, जीतू सोनी, चंचल द्विवेदी, रमेश आदि युवा कहते हैं कि सीएम की सभा से माहौल बदला है। इफको के निकट देवनगरी गांव के अशफाक उल्ला, शुभम, मुलायम, देवराज कहते हैं, लोकसभा चुनाव में फूलपुर विधानसभा से सपा ने बड़ी लीड हासिल की थी। उसकी पुनरावृत्ति भी हो सकती है। मोहनगंज बाजार के दिलीप पासी सवाल उठाते हैं कि चुनाव आते ही नेता बड़े वादे कर जाते हैं, फिर कोई झांकने नहीं आता। सहसों और अंदावा के रामजी केसरवानी और दीपू जायसवाल जोर देकर कहते हैं कि बीते दस वर्ष में विकास काफी हुआ है, रिंगरोड भी बन रही है।

ज्वेलरी की दुकान में लाखों की चोरीरूप्रयागराज के कोठापार्चा बाजार में है रघुवंशी ज्वेलर्स

प्रयागराज। प्रयागराज के कोठापार्चा बाजार स्थित रघुवंशी ज्वेलर्स के यहां चोरों ने दीवार में सेंध मारी करके लाखों के रुपये के सोने व चांदी के आभूषण पर हाथ साफ कर दिया मंगलवार को सूचना पर पहुंची पुलिस ने तहरीर मिलने के बाद जांच शुरू कर दी। 15 लाख के गहने हुए चोरी कोठापार्चा के रहने वाले राजेश सिंह घर के पास ही ज्वेलरी की दुकान चलाते हैं। सोमवार की रात करीब नौ बजे दुकान बंद करके वह घर चले गए। मंगलवार को जब दुकान खोला तो भीतर का नजारा देखकर वह हैरान रह गए। दीवार में एक तरफ सेंध लगी थी और वहीं दूसरी तरफ लोहे का रंभा पड़ा हुआ था। दुकान से 15 लाख रुपये के गहने चोरी हो गए थे। वहीं चोरी की जानकारी होते ही मौके पर व्यापारियों की भीड़ लग गई। इलाहाबाद ज्वेलर्स एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष दिनेश सिंह, अनूप वर्मा, रंजीत सिसोदिया, राजू सिंह आदि मौके पर पहुंचे। बगल की बंद दुकान के सहारे घुसे थे चोर पुलिस की जांच में सामने आया कि चोर बगल की लंबे समय से बंद दुकान की छत पर सीढ़ीयों के सहारे चढ़े थे। उसके बाद ज्वेलरी की दुकान में सेंध मारी की। पुलिस को मौके से सीढ़ी भी लगी मिली। पुलिस ने इस बारे में कारोबारियों से पूछताछ भी की, लेकिन कोई कुछ बता नहीं सका। पुलिस ने इस बारे में मार्केट में घटना के समय ड्यूटी पर रहे निजी सुरक्षाकर्मी से भी पूछताछ की। वह भी कुछ नहीं बता सका। कोतवाली पुलिस ने बताया कि मामले में रिपोर्ट दर्ज कर चोरों की तलाश की जा रही है।

प्रयागराज में कल आएंगे सपा अध्यक्ष:
फूलपुर उपचुनाव में सपा प्रत्याशी के समर्थन में करेंगे जनसभा

प्रयागराज। प्रयागराज के फूलपुर में होने वाले उपचुनाव में समाजवादी पार्टी और भाजपा में कांटे की टक्कर है। ऐसे में सपा प्रत्याशी मुस्तबा सिद्दीकी के समर्थन में बृहस्पतिवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव जनसभा को संबोधित करेंगे। फूलपुर के रूद्रापुर में होने वाली जनसभा के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं ने पूरी ताकत झोक दी है। जनसभा में लोगों को जुटाने के लिए पार्टी कार्यकर्ता लगातार जनसंपर्क कर रहे हैं। बृहस्पतिवार को होने वाली जनसभा की तैयारियों का जायजा लेने के लिए बुधवार को गंगापार जिलाध्यक्ष समेत अन्य पदाधिकारियों रूद्रापुर पहुंचे। यहां पर तैयारियों को देखा। जनसभा के लिए विशाल पंडाल तैयार किया गया है। जनसभा तक लोगों के पहुंचने के लिए पार्टी की तरफ से विशेष तैयारियां की गई है। जिससे जनसभा को सफल बनाया जा सके।

राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का भव्य शुभारम्भ

प्रयागराज ।सीएमपी डिग्री कॉलेज में राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारम्भ दिनांक 13 नवम्बर 2024 को हुआ। यह संगोष्ठी भारत में असंगठित क्षेत्रों में महिलाओं के सशक्तिकरण विषय पर आयोजित की गई है। इस संगोष्ठी के प्रथम दिन उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान, इलाहाबाद उच्च न्यायालय और विशिष्ट अतिथि प्रो राजेन्द्र सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो अखिलेश सिंह थे। अतिथियों का स्वागत प्राचार्य प्रो अजय प्रकाश खरे ने किया और संगोष्ठी के महत्व पर आई सी सी की संयोजक प्रो सरोज सिंह ने प्रकाश डाला। संगोष्ठी में जस्टिस मंजू रानी चौहान ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण ही समाज के विकास का मार्ग प्रशस्त करता है। इसलिए हर वर्ग की महिलाओं के विकास हेतु संवैधानिक और व्यावहारिक दोनों ही आधार को साथ लेकर आगे बढ़ना होगा । विशिष्ट अतिथि प्रो अखिलेश सिंह ने कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा और लैंगिक समानता और संवेदनशीलता पर बात की। उद्घाटन सत्र की मुख्य वक्ता और दिल्ली विश्वविद्यालय में मीडिया और पत्रकारिता संस्थान में प्रोफेसर डॉ सुधा सिंह ने अपने व्याख्यान में स्त्री अधिकार, मुद्दे और चुनौतियों जैसे कई पक्षों को शामिल किया। उन्होंने लोकतंत्र में महिलाओं के अधिकारों के समावेशीकरण की प्रवृति की विवेचना की। उन्होंने स्त्री की आर्थिक स्वतंत्रता और उसके श्रम के प्रति सम्मान के भाव को रखने की जरूरत को रेखांकित करते हुए कहा कि स्त्री के श्रम के प्रति अगर आप सम्मान का भाव नहीं रखते हैं तो आप उसके श्रम को अदृश्य बनाते हैं । अतरू पुरुषों को बराबरी के भाव वाले समाज का निर्माण करना चाहिए साथ ही घरेलू कार्य को भी साझा करना होगा। उन्होंने कहा कि असंगठित क्षेत्र की विविध महिलाओं का चित्रण साहित्य में, विशेषकर महादेवी वर्मा के माध्यम से देखने को मिलता है और यह विशिष्ट है। इसलिए हमें स्त्री को चीजों को देखने की वैकल्पिक नजरिए को भी आगे बढ़ाना होगा। उद्घाटन सत्र के अंत में संगोष्ठी की संयोजक डॉ रुचिका वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन किया और सत्र का संचालन डॉ ऋतु रघवंशी ने किया। संगोष्ठी के प्रथम दिन उद्घाटन सत्र के पश्चात तीन पैनल डिस्कशन का भी आयोजन हुआ। पैनल डिस्कशन के पहले सत्र में इलाहाबाद विश्वविद्यालय से डॉ चंद्रांशु सिन्हा , मनोविज्ञानी डॉ रीना सिंह मौजूद थी । इस सत्र का विषय असंगठित क्षेत्र की चुनतियां और सुभेद्यताएं था । पैनल डिस्कशन के दूसरे सत्र में स्वास्थ्य और सम्पूर्ण बेहतरी के विषय पर पंजाब विश्वविद्यालय से प्रो बंदना शर्मा, शांति और विकास अध्ययन संस्थान थाईलैंड से प्रो सुमित दत्ता एवं इलाहाबाद विश्वविद्यालय से संजय कुमार ने अपने विचार रखें। पैनल डिस्कशन के तीसरे सत्र में नीतियां और कानूनी ढांचा विषय पर उत्तर प्रदेश महिला पंचायत एसोसिएशन की सुपरवाइजर रेनू शुक्ला, और ऐपवा की पूर्व अध्यक्ष कुमुदिनी पति ने अपने विचार को रखा । इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में विभिन्न राज्यों से सैंकड़ों की संख्या में प्राध्यापकों , शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया और अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए। महाविद्यालय के सभी अध्यापकों और शोधार्थियों की उपस्थिति और सहभागिता ने भी संगोष्ठी को सफल बनाने में अपना अमूल्य योगदान दिया।

महादेवी वर्मा का स्त्री चिंतन विषयक व्याख्यान का आयोजन

प्रयागराज ।आज सीएमपी डिग्री कॉलेज प्रयागराज के हिंदी विभाग द्वारा श्महादेवी वर्मा का स्त्री चिंतनश विषय पर एकल

व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर सुधा सिंह का सारगर्भित व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत हिंदी विभाग की वरिष्ठ प्रोफेसर सरोज सिंह के स्वागत वक्तव्य के साथ हुआ। उन्होंने अपने स्वागत वक्तव्य में महादेवी की आज के दौर में प्रासंगिकता की ओर श्रोताओं का ध्यान आकर्षित करते हुए मुख्य अतिथि व समस्त अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि प्रोफेसर सुधा सिंह ने महादेवी वर्मा के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए कहा कि अपने मन का करते हुए क्रिएटिव होना हो तो महादेवी वर्मा से आज की पीढ़ी को सीखना चाहिए। आज के दौर में स्त्री विमर्श के दायरे में जो लिखा पढ़ा जा रहा है वह महादेवी के यहां पहले से मौजूद है। प्रो. सुधा सिंह ने महादेवी वर्मा के संस्मरणों और उनमें मौजूद पात्रों के माध्यम से आज के दौर की स्त्रियों की दशा को भी व्याख्यायित किया। पितृसत्तात्मक समाज में महादेवी वर्मा उन पात्रों को ढूंढने में सक्षम हैं जो इस सत्ता को चुनौती दे सके। उन्होंने स्त्रियों को आर्थिक रूप से संपन्नता पर बल दिया। उनके संस्मरणों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि महादेवी मिथकों का सहारा बहुत कम लेती हैं ।उनके पात्र जीवंत और उनके मुद्दे ज्वलंत हैं। अध्यक्षीय उद्बोधन प्रोफेसर आभा त्रिपाठी ने महादेवी वर्मा के मैं नीर भरी दुख की बदली तक सीमित करने पर आपत्ति उठाई और कहा कि महादेवी संवेदना और समग्रता की कवयित्री हैं । उनकी कविताओं के माध्यम से उनके संवेदनात्मक पहलू पर श्रोताओं का ध्यान आकृष्ट किया। धन्यवाद ज्ञापन विभाग के संयोजक प्रोफेसर दीनानाथ ने किया और कहा कि ऐसे व्याख्यानों से शोधार्थी और छात्र ही लाभान्वित नहीं होते बल्कि साहित्य से जुड़ा हर व्यक्ति लाभान्वित होता है। कार्यक्रम का कुशल संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ प्रेम शंकर सिंह ने किया ।कार्यक्रम में डॉ रमाशंकर सिंह, डॉ जी गणेशन मिस्र, डॉ रामानुज यादव, डॉ राजेंद्र यादव, डॉ भारती कोरी, डॉ पूजा गौड़, डॉक्टर रंजीत सिंह, डॉ प्रियंका गौड़ और बड़ी संख्या में शोधार्थी और विद्यार्थी मौजूद रहे।

सीएसआईआर–एनबीआरआई, लखनऊ के विशेषज्ञों ने की पुष्पकृषि उद्यमियों की वार्ता

लखनऊ, एजेंसी। सीएसआईआर–पुष्पकृषि मिशन के तहत, सीएसआईआर–राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ में एक द्वि–दिवसीय उद्यमी बैठक (13–14 नवम्बर 2024) आज शुरू की गयी। यह कार्यक्रम पुष्पकृषि और सुगंध उद्योग क्षेत्रों के उद्यमियों एक साथ लाने और उनके परस्पर सहयोग को बढ़ावा देने, उद्योग की व्यावहारिकता एवं अनुभवों को साझा करने और नवीन विकसित तकनीकियों के बारे में जानकारी बढ़ाने के लिए आयोजित किया गया।

आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा **हाईस्कूल मुख्य परीक्षा सन 1992 अनुक्रमांक 0699271 एवं इन्टरमीडिएट मुख्य परीक्षा सन 1994 अनुक्रमांक 0312598** का मूल प्रमाण पत्र एवं अंकपत्र वास्तव मे खो गया है ।

अर्चना श्रीवास्तव पुत्री दिनेश लाल श्रीवास्तव
निवासी 45 न्यू मानक नगर नैनी प्रयागराज

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की मेरा कब्जा लेटर भवन संख्या 64 मिनी एम.आई. जी. गोविन्दपुर आवास योजना का मूल प्रति खो गया है । यदि उसका कोई उपयोग करता है तो मेरी जिम्मेदारी नहीं होगी।

मोहन लाल गौड़ पुत्र स्व. रामभरोस गौड़ निवासी
निवासी 64 मिनी एम.आई. जी. गोविन्दपुर
आवास योजना सदर प्रयागराज

राकेश श्रीवास्तव बने वॉलीबाल संघ के जसरा ब्लॉक प्रभारी.

प्रयागराज। ईश्वर दीन छेदीलाल इंटर कॉलेज जसरा के खेल प्रवक्ता राकेश कुमार श्रीवास्तव को जिला वॉलीबाल संघ,प्रयागराज में ष्ब्लॉक प्रभारीष् के पद पर मनोनीत किया गया है। उक्त आशय की जानकारी देते हुए डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन (डीवीए),प्रयागराज के अवैतनिक महासचिव आर.पी.शुक्ला ने बताया कि गत दिवस जिला वॉलीबाल संघ की संगठन समिति की बैठक पूर्व अंतरराष्ट्रीय वॉलीबाल खिलाड़ी एवं एसोसिएशन के चेयरमैन जॉर्डन.एच.नाथ की अध्यक्षता में संपन्न हुई थी। जिसमें राकेश कुमार श्रीवास्तव को जिला वॉलीबाल संघ,प्रयागराज नामक खेल संगठन की नीतियों का प्रचार प्रसार करने,विकास खंड जसरा में वॉलीबाल खेल को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से,क्षेत्रीय क्लबो व प्रतियोगिताओं पर नियंत्रण रखने तथा संगठन को मजबूती प्रदान करने की जिम्मेवारी सौंप गई है। राकेश श्रीवास्तव को जसरा ब्लॉक का प्रभारी बनाए जाने पर क्षेत्र के विभिन्न क्लबो ने जिला वॉलीबाल संघ का आभार व्यक्त करते हुए हर्ष व्यक्त किया है और सोशल मीडिया के माध्यम से राकेश श्रीवास्तव जी को बधाइयां भेजकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। बधाइयां देने वालों में मान सिंह पूर्व प्रवक्ता, डॉ.जे.पी.शर्मा, के. बी.एल.श्रीवास्तव, प्रमोद कुमार राय, के.पी.सिंह, आर.पी.राय, प्रभाकर चौबे, अल्ताफ अली व पी.के.पांडेय आदि वरिष्ठ खिलाड़ी व गणमान्य व्यक्ति है।।

नेत्र कुंभ 2025 काआयोजन

प्रयागराज सडक्टर अम्बेडकर इंटरनेशनल संस्थान नई दिल्ली के सभागार मे आज नेत्रकुम्भ 2025 का शंखनाद (उद्घाटन) कार्यक्रम संपन्न हुआ. शंखनाद कार्यक्रम आरएसएस के नेतृत्व में सक्षम, राजू भैय्या न्यास, भावराव देवरस न्यास, स्वामी विवेकानंद न्यास, हंस फाउंडेशन अहित लगभग 50 संस्थानों के ट्रस्टी सहित संघ से भारत के विभिन्न प्रांतों से के लगभग 500 कार्यकर्ताओं ने प्रतिभाग किया जिसकी अध्यक्षता हंस फाउंडेशन अध्यक्ष के माता मंगला जी ने किया। मुख्य बकता के रूप मे संघ के सर कार्यवाह डॉ कृष्ण गोपाल ने कहा कि भारत मे 2 करोड़ लोगों से ज्यादा आँख के विभिन्न रोगों से पीड़ित है और धीरे धीरे अंधता के शिकार हो जाते हैं। इसके निवारण हेतु संघ के आनुषंगिक संगठनों के माध्यम से गत कुम्भ 2019 मे एक छोटा सा प्रयास हुआ था जिसमें 1.5 लाख चश्मे तथा 2.5 लाख लोगों का निशुल्क नेत्र परीक्षण एवं चश्मा वितरण किया गया था जिसकी पूरे देश मे चर्चा रही। अंततः इसके निवारण हेतु इस बार भी संघ ने महाकुम्भ में नेत्र कुम्भ स्थापित कर 2.5 लाख चश्मे का निशुल्क वितरण तथा 5 लाख लोगों का निशुल्क नेत्र परीक्षण साथ ही 5 हजार लोगों की नेत्र सर्जरी का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही डॉ कृष्ण गोपाल ने कहा कि भारत के हिन्दू सनातन कुम्भ में दान करने हेतु आते है और हमारे यहा महर्षि दधीच ने मानवी सभ्यता के स्थापना हेतु अपना जिवित शरीर का दान कर दिया था। हम लोगों को भी अंततः निवारण हेतु मरणोपरांत नेत्र दान के लिए आगे आना होगा जिससे हमारे ना रहने पर भी हमरी आंखे किसी व्यक्ती को रोशनी दे सके तथा भारत की खूबसूरती को देख सके। इस बार के नेत्र कुम्भ ने देश एवं विदेश के कोने कोने से नेत्र विशेषग्य एम्स पी जी आई मेडिकल कॉलेज, तथा निजी बड़े चिकित्सालयों के चिकित्सक अपनी सेवायें देंगे जिनमे 500 चिकित्सक, 1000 टेक्निकल स्टाफ, 500 स्वयसेवक 50 दिन रहकर सेवा देंग। प्रतिदिन 10000 का नेत्र परीक्षण एवं 5000 का निशुल्क चश्मा वितरण किया जाएगा। डा कृष्ण गोपाल सर सह कार्यवाह ने 2025 नेत्र कुम्भ की पत्रिका और लोगो को विमोचन किया नेत्र कुम्भ के सफल संचालन के लिए के पी सिंह पूर्व आई जी उ प्र पुलिस को नेत्र कुम्भ का अध्यक्ष, सत्य विजय जी को महाप्रबंधक, डॉ एसपी सिंह पूर्व प्राचार्य मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज को निदेशक, तथा राजेश प्रताप को चिकित्सालय एवं क्राउड कंट्रोल का प्रबंधक विनय मिश्रा को भंडार व्यवस्था रितेश जी को अतिथि व्यवस्था विरासत कृष्ण को संपर्क व्यवस्था की जिम्मेदारी दी गई। प्रयाग से विकास, संजय, राकेश अजय प्रयाग दत्त सहित संख्य कार्यकर्ता शंखनाद मे उपस्थित रहे।

लोकपाल की जनसुनवाई मे बिहार ब्लाक के गोगौर ग्राम के भ्रष्टाचार की शिकायत

लोकपाल ने प्रधान, सचिव व रोजगार सेवक को 22 नवम्बर को अपना पक्ष रखने हेतु लोकपाल कार्यालय मे किया तलब

भैरवन ग्राम के प्राचीन तालाब के अतिक्रमण हटाने की हुई मांग

प्रतापगढ़ । लोकपाल मनरेगा की जन सुनवाई में निरंतर जनपद के वास्तविक शिकायत कर्ता अपनी शिकायत दर्ज करा रहे है। लोकपाल की जनसुनवाई मे बिहार ब्लाक के गोगौर ग्राम के भ्रष्टाचार की शिकायत ग्राम वासियों द्वारा दर्ज कराई गई। लोकपाल समाज शेखर ने गोगौर ग्राम के प्रधान, सचिव , तकनीकी सहायक, मेट व रोजगार सेवक को 22 नवम्बर को अपना पक्ष रखने हेतु लोकपाल कार्यालय में तलब किया है। वहीं सांगीपुर ब्लाक के भैरवन धाम के प्राचीन तालाब के अतिक्रमण हटाने की हुई मांग हुई। लोकपाल मनरेगा समाज शेखर की जन सुनवाई में बिहार ब्लाक के गोगौर ग्राम के प्रेम नारायण त्रिपाठी व अधिवक्ता अरविंद पांडेय ने शपथ पत्र पर ग्राम में मनरेगा योजना में बिना कार्य कराये फर्जी भुगतान लेने की शिकायत प्रस्तुत की।

जिस पर लोकपाल ने शिकायत कर्ताद्वय को सुनकर शिकायत के क्रम में सम्बन्धित ग्राम स्तरीय मनरेगा कर्मियों को 22 नवम्बर को लोकपाल कार्यालय में अपना पक्ष व बयान दर्ज कराने हेतु खंड विकास अधिकारी बिहार को पत्रांक संख्या 85 दिनांक 9 नवम्बर 2024 के माध्यम से आमंत्रित किया गया है। वहीं सांगीपुर ब्लाक के संजय गिरी ने भैरवन धाम स्थित प्राचीन तालाब से अतिक्रमण हटाये जाने की मांग की। जिस पर लोकपाल ने जिलाधिकारी महोदय के माध्यम से उक्त समस्या को हल कराने हेतु अग्रसारित करने का निर्णय लिया। इस अवसर पर प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता गण श्लोक मिश्र , रवि सिंह व सुंदरम तिवारी ने जनपद में मनरेगा योजना के सम्बन्ध में अपना सुझाव व संकल्प व्यक्त किया। जिला अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी विनोद सिंह, स्टेनो असरफ व सेवक माधव ने सहयोग प्रदान किया।

स्वास्थ्य प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

रायबरेली सआधुनिक रेल डिब्बा कारखाना रायबरेली चिकित्सालय में दिनांक 13.11.2024 को आरेडिका चिकित्सालय द्वारा रेजेंसी चिकित्सालय कानपुर के सहयोग से स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया । जिसका उद्घाटन महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती भारती मिश्रा द्वारा किया गया । उद्घाटन के समय महाप्रबंधक महोदय श्री पी. के मिश्रा के साथ साथ समस्त विभागाध्यक्ष एंव महिला कल्याण संगठन की सदस्याएं मौजूद थीं । स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में डॉ. अनुभा सिंह चौहान (स्त्री एंव प्रसूति रोग विशेषज्ञ), डॉ. शालीन वर्मा (अस्थि रोग विशेषज्ञ), एंव डॉ. वैभव गुप्ता (एमडी मेडिसिन) के द्वारा चिकित्सालय में आये 329 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया । स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के उद्देश्य से पहली बार विशेष जांच के रूप में फाइब्रोस्कैन को सम्मिलित किया गया । फाइब्रोस्कैन एक नवीन और दर्द रहित विधि है, जिसको करने में मात्र 2–3 मिनट का समय लगता है जिससे हमारे लिवर में होने वाले किसी भी समस्या का पता लगाया जा सकता है । हमारे लिए शरीर को स्वस्थ रखना बेहद जरूरी हैं । इसलिए शरीर को स्वस्थ रखने हेतु समय समय पर बृहद रूप में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया जाता है । शिविर में कुल 150 मरीजों द्वारा फाइब्रोस्कैन एवं 70 मरीजों द्वारा रक्त जांच कराया गया।

कृष्ण रुकमणी विवाह में शामिल हुए लोकपाल समाज शेखर

नगर पंचायत कटरा गुलाब सिंह में चल रही श्रीमद भागवत कथा

प्रतापगढ़ । लोकपाल मनरेगा समाज शेखर ने नगर पंचायत कटरा गुलाब सिंह में , ११ नवम्बर से सेठ प्रेमचंद्र अग्रहरि व परिजनों द्वारा आयोजित श्री मदभागवत कथा में मंगलवार की

देर रात्रि तक स्थानीय प्रबुद्ध समाज के साथ प्रतिभाग किया। इस अवसर पर आयोजित कृष्ण रुकमणी विवाह में विशेष रूप से शामिल होकर लोकपाल समाज शेखर ने कथा व्यास पंडित विजय कांत तिवारी जी की कथा का रसपान व आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से विधायक जीत लाल पटेल, पूर्व प्रधान प्रेम चंद्र मल्हु, भयहरण नाथ धाम के कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह, जग नारायण सेठ, दिनेश अग्रहरि, उमेश अग्रहरि, उत्तम चंद्र, सुनील अग्रहरि, राम कृष्ण महाजन, अजय अग्रहरि, राजू मैनेजर आदि हजारो भक्तो ने प्रतिभाग किया।

रज्जू विवि में नशामुक्ति कार्यक्रम

प्रयागराज। माननीय कुलपति डॉ. अखिलेश कुमार सिंह की प्रेरणा से दिनांक 13.11.2024 तदनुसार बुधवार को प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के समाज कार्य केन्द्र (सेन्टर फॉर एक्सीलेंस), एन.एस.एस. एवं रोवर एण्ड रेंजर्स द्वारा कार्यालय जिलाधिकारी, प्रयागराज से प्राप्त पत्र के क्रम में नशा

मुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत नशामुक्त जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर के अकादमिक भवन–ए के जी–6 सभागार में किया गया। इसमें मुख्य वक्ता शीतला प्रसाद श्रीवास्तव (सदस्य, जिला समिति, ड्रग्स फ्री इण्डिया कैम्पेन, प्रयागराज, प्रेसिडेन्ट लायन्स क्लब, प्रयागराज गौरव) ने कहा कि नशा भारत के युवाओं के लिए अभिशाप है। यह हमारे देश की तरक्की में बाधक है। यदि हम नशा करते हैं तो हमें शीघ्र ही इसको दूर भगाना होगा तथा निरन्तर ही इससे स्वयं को दूर रखना भी होगा। मुख्य वक्ता डॉ. राकेश पासवान (मोतीलाल नेहरू मण्डलीय) ने कहा कि नशा एक ऐसा दुर्गुण है जो हमारे समाज को दूषित कर रहा है। हमारी भावी पीढ़ी इससे अधिक प्रभावित है। अतः इसको रोकने के लिए ऐसे नशा मुक्ति विषयक जागरूकता परक कार्यक्रम होते रहने चाहिए। डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह (आयुर्वेद) ने आयुर्वेद की पद्धति द्वारा प्राकृतिक रूप से इसको कैसे दूर किया जा सकता है य इसको बताया। अधिष्ठाता कला संकाय एवं विभागाध्यक्ष समाज कार्य केन्द्र प्रो. विवेक कुमार सिंह ने कहा कि नशामुक्त भारत द्वारा ही हम विश्व की सबसे तेजी से बढ़नेवाली अर्थव्यवस्था बन सकते हैं। हमारा युवा कब इस गलत लत के द्वारा अपने को बर्बाद कर लेता है? यह उसको भी नहीं पता होता है। न केवल बीड़ी, सिगरेट, शराब, ड्रग्स आदि नशाओं से हमें सभी को दूर रखना है अपितु कुछ ऑनलाइन गेम्स अथवा ई–नशा से भी भारत को मुक्त करना है। कार्यक्रम का सञ्चालन डॉ. कविता गौतम, सहायक आचार्य, समाज कार्य केन्द्र एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अतुल कुमार वर्मा, नोडल अधिकारी एन.एस.एस. ने किया। कार्यक्रम में अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. आशुतोष कुमार सिंह, कुलानुशासक प्रो. राजकुमार गुप्त,उपकुलानुशासक डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी, डॉ. गीतांजली श्रीवास्तव, डॉ. युवराज सिंह, डॉ. गौतम कोहली, डॉ. प्रियंका सक्सेना, डॉ. अजीत सिंह, डॉ. श्वेता कुमारी, डॉ. श्वेता श्रीवास्तव, डॉ. प्रदीप कुमार त्रिपाठी, डॉ. पीयूष मिश्र सहित शताधिक शोधार्थी, विद्यार्थी एवं आगन्तुक उपस्थित रहे। राष्ट्रगान के पश्चात् कार्यक्रम का समापन हुआ।

संस्कृत विभाग में व्याख्यान माला का प्रारंभ

प्रयागराज ससंस्कृत विभाग, सी एम पी महाविद्यालय द्वारा आज आनुसंधानिकी शास्त्रचर्या नामक व्याख्यानमाला प्रारंभ की गई। इसके उद्घाटन वक्ता के रूप में प्रोफेसर कौशल किशोर श्रीवास्तव, पूर्व अध्यक्ष एवं अधिष्ठाता कला संकाय इलाहाबाद विश्वविद्यालय रहे। आपने वेदों में की गई प्रार्थनाओं के माहात्म्य पर व्यापक प्रकाश डाला। इस अआनुसंधानिक शास्त्राचार्य के अंतर्गत प्रत्येक सप्ताह एक विशिष्ट विद्वान् का व्याख्यान तथा एक दिन किसी शोधार्थी का व्याख्यान आयोजित होगा, जो निरंतर चलता रहेगा। इसी क्रम में कल दिनांक 14 नवंबर 2024 को शोधार्थी भास्कर मिश्र का व्याख्यान होगा। व्याख्यान के इस कार्यक्रम में एस पी एम महाविद्यालय से डॉक्टर आकांक्षा सिंह तथा सीएमपी संस्कृत विभाग से सभी प्राध्यापक और अन्य विभागों के प्राध्यापक उपस्थित रहे।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबन्धक (इंजी0)/वाराणसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते हैं। **कार्य का नामः** भटनी में ट्रैक मशीन साइडिंग के साथ 4 बिस्तरों वाले रनिंग रूम और पाथवे का प्रावधान, **ई-निविदा सूचना सं0:** एनईआर-बीएसबी-2024-142, **अनुमानित लागत (₹):** ₹ 85,01,591/-, **अमानत राशि (बिड सिक्योरिटी) (₹):** ₹ 1,70,000./-, **निविदा बन्द होने की तिथिः** 11.12.2024, **स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथिः** 06 माह। **नोटः** • निविदा सूचना संख्या एनईआर-बीएसबी-2024-142, दिनांक 11.12.2024 को 14.30 बजे तक आनलाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखें। • यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अंतर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

मंडल रेल प्रबन्धक (इन्जी.) वाराणसी
मुजाधि/इक्यू-301

"ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें"

सम्पादकीय.......

गंगा फिर भी मैली

राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण की उस टिप्पणी को हमें एक गंभीर चेतावनी के रूप में लेना होगा, जिसमें कहा गया है कि प्रयागराज में गंगा का पानी इतना प्रदूषित हो गया है कि वह आचमन करने लायक भी नहीं रह गया है। एनजीटी का यह खुलासा इसलिये भी चिंता बढ़ाने वाला है क्योंकि कुछ ही माह बाद यानी जनवरी 2025 की पौष पूर्णिमा से प्रयागराज में महाकुंभ की शुरुआत होने वाली है। कुंभ मेले की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और अखाड़ों की सक्रियता बढ़ गई है। महाकुंभ को लेकर देश ही नहीं विदेश में भी खूब चर्चा होती है। यदि गंगाजल की गुणवत्ता को लेकर ऐसे ही सवाल उठते रहे तो देश–दुनिया में अच्छा संदेश नहीं जाएगा। सवाल इस बात को लेकर भी उठेंगे कि विभिन्न सरकारों द्वारा शुरू की गई अनेक महत्वाकांक्षी व भारी–भरकम योजनाओं के बावजूद गंगा को साफ करने में हम सफल क्यों नहीं हो पाए हैं। आखिर कौन है गंगा की यह हालत करने के गुनहगार? विडंबना देखिये कि तमाम सख्ती के बावजूद सैकड़ों खुले नाले गंगा में गंदा पानी गिरा रहे हैं। तमाम उद्योगों का अपशिष्ट पानी अनेक जगह गंगा में गिराया जा रहा है। वर्ष 2014 से गंगा की सफाई का महत्वाकांक्षी अभियान 'नमामि गंगे' शुरू किया गया था। बताया जाता है कि अब तक करीब चालीस हजार करोड़ की लागत से गंगा की सफाई की करीब साढ़े चार सौ से अधिक परियोजनाएं आरंभ भी की गई हैं। इस परियोजना के अंतर्गत गंगा के किनारे स्थित शहरों में सीवर व्यवस्था को दुरुस्त करने, उद्योगों द्वारा बहाये जा रहे अपशिष्ट पदार्थों के निस्तारण के लिये शोधन संयंत्र लगाने, गंगा तटों पर वृक्षारोपण, जैव विविधता को बचाने, गंगा घाटों की सफाई के लिये काफी काम तो हुआ लेकिन अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आए हैं। जो हमें बताता है कि जब तक समाज में जागरूकता नहीं आएगी और नागरिक अपनी जिम्मेदारी का अहसास नहीं करेंगे, गंगा मैली ही रह जाएगी। सिर्फ सरकारी प्रयास काफी नहीं हैं। दरअसल, लगातार बढ़ती जनसंख्या का दबाव और गंगा तट पर स्थित शहरों में योजनाबद्ध ढंग से जल निकासी व सीवरेज व्यवस्था को अंजाम न दिये जाने से समस्या विकट हुई है। गंगा को साफ करने के लिये जरूरी है कि स्वच्छता अभियान एक निरंतर प्रक्रिया हो। एक बार की सफाई निष्प्रभावी हो जाएगी यदि हम प्रदूषण के कारकों को जड़ से समाप्त नहीं करते। इसके लिये गंगा के तट वाले राज्यों में पर्याप्त जलशोधन संयंत्र युद्ध स्तर पर लगाए जाने चाहिए। साथ ही गंगा सफाई अभियान की नियमित निगरानी होनी चाहिए। इसमें आधुनिक तकनीक का भी सहारा लिया जाना चाहिए। लोगों को बताया जाना चाहिए कि गंगा सिर्फ नदी नहीं है यह खाद्य शृंखला को संबल देने वाली तथा हमारी आध्यात्मिक यात्रा से भी जुड़ी है। गंगा में अघुलनशील कचरा व अन्य अपशिष्ट डालने से रोकने के लिये जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। यदि जागरूकता व प्रेरित करने से बात नहीं बनती तो इसके लिये जुर्माने का प्रावधान भी होना चाहिए। साथ ही गंगा में जहरीला कचरा बहाने वाले उद्योगों पर भी आर्थिक दंड लगाना चाहिए। एक बात तो तय है कि सरकार के साथ जब समाज की जिम्मेदारी तय नहीं की जाती, गंगा का साफ होना असंभव जैसा हो जाएगा। गंगा सिर्फ बहती नदी नहीं है हमारे पुरखों की आस्था और विश्वास का प्रतीक है। गंगा मुक्तिकामी भी है। जीवनदायिनी भी है। ऐसे में केंद्र सरकार की नमामि गंगा परियोजना में राज्यों की भागीदारी और जवाबदेही भी तय की जानी चाहिए। साथ ही स्वच्छता परियोजना की निरंतर निगरानी की जानी भी जरूरी है ताकि प्रयासों का स्थायी लाभ गंगा को स्वच्छ बनाने में मिल सके। सही मायनों में आज गंगा के उद्धार के लिये हर भारतीय को भगीरथ जैसा दायित्व निभाना होगा। तभी सदियों से अविरल बह रही जीवनदायी गंगा की प्रतिष्ठा भी फिर से स्थापित हो सकेगी। फिर एनजीटी को यह न कहना पड़ेगा कि फलां जगह का गंगाजल आचमन करने लायक नहीं रह गया है।

नये मुख्य न्यायाधीश से अपेक्षाएं

डॉ. दीपक पाचपोर

जस्टिस खन्ना के पूर्ववर्ती चीफ जस्टिस चन्द्रचूड़ द्वारा जिस तरीके से अपने प्रारम्भिक कार्यकाल में आस जगाई परन्तु जाते–जाते उनका जो आकलन हुआ वह निराशाजनक रहा।

बतौर मुख्य न्यायाधीश हाल के वर्षों में सबसे लम्बे कार्यकाल को पूरा करने वाले जस्टिस डीवाई चन्द्रचूड़ के सेवानिवृत्त होने के बाद भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में जस्टिस संजीव खन्ना ने सोमवार को कार्यभार सम्हाल लिया है। अगले छह माह तक इस जिम्मेदारी को संभालने के बाद वे 13 मई, 2025 को रिटायर होंगे। पिछले कुछ वर्षों से देश के जो हालात हैं तथा न्यायदान की इस सर्वोच्च संस्था में ही जो कुछ हुआ है उसके चलते अब सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से सिर्फ इस बात की अपेक्षा नहीं रह जाती कि वे लम्बित मामलों को कितनी जल्दी निपटाते हैंय या उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के कामकाज को कितना सहज बनाया अथवा अपने दायरे में कौन से व्यवस्थागत सुधार किये। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कार्य पद्धति ने शीर्ष अदालत की भूमिका को औपचारिक जिम्मेदारियों से कहीं अधिक बड़ा और महत्वपूर्ण बना दिया है। जस्टिस खन्ना के पूर्ववर्ती चीफ जस्टिस चन्द्रचूड़ द्वारा जिस तरीके से अपने प्रारम्भिक कार्यकाल में आस जगाई परन्तु जाते–जाते उनका जो आकलन हुआ वह निराशाजनक रहा। इसलिये अब मुख्य न्यायाधीश जस्टिस खन्ना समेत आने वाले हर सीजेआई के कामों की समीक्षा इस आधार पर होगी कि वे सरकार से संविधान तथा नागरिक अधिकारों को कितना बचा पाते हैं। 51वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ लेने वाले जस्टिस खन्ना की सिफारिश 2019 की कोलेजियम ने की थी। यदि उनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि को देखें तो वे जस्टिस हंसराज खन्ना के भतीजे हैं, जिन्होंने आपातकाल के दौरान हैबियस कॉर्पस वाले मामले में अकेली असहमति जताई थी। उन्होंने कहा था कि बगैर समुचित प्रक्रिया के नागरिकों के मौलिक अधिकारों को निलम्बित नहीं किया जा सकता। इसका खामियाजा उन्हें इस रूप में भुगतना पड़ा था कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने मुख्य न्यायाधीश के चयन में उनकी वरिष्ठता को नजरंदाज कर दिया था। फलतः उन्होंने सत्ता के सामने सिर न झुकाते हुए त्यागपत्र दे दिया था। भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में उनका सम्मानजनक स्थान बना हुआ है। जस्टिस संजीव खन्ना का न्यायविदों का परिवार है जो अपनी ईमानदारी व कर्तव्य परायणता के लिये प्रसिद्ध है। जस्टिस खन्ना दिल्ली हाईकोर्ट से आते हैं और इस कोटे में सुप्रीम कोर्ट के इस पद तक पहुंचने वाले वे दो दशकों में पहले न्यायाधीश हैं। हालांकि इस मानदण्ड में किसी को सीजेआई बनाने की व्यवस्था का पूर्व मुख्य न्यायाधीश एवं वर्तमान सांसद रंजन गोगोई ने अपनी आत्मकथा में मजाक उड़ाते हुए कहा है कि यह लाभ मिलने का कोई आधार नहीं हो सकता, वैसे ही जैसे कि उन्हें उनके बहुत छोटे कार्यकाल का मिल रहा है। जस्टिस गोगोई अनेक फैसलों तथा व्यक्तिगत जीवन के कारण बेशक विवादास्पद (रामजन्म भूमि का फैसला, खुद पर लगे यौन उत्पीड़न के मामले की खुद सुनवाई करना, सेवानिवृत्त होकर राज्यसभा की सदस्यता ग्रहण करना आदि) रहे हैं परन्तु उनका यह कहना तर्कसंगत है कि दिल्ली कोटे तथा कार्यकाल के चलते किसी का चीफ जस्टिस बनना उचित नहीं है। इस मानदण्ड पर देखें तो जस्टिस संजीव खन्ना कोई विशेष योग्यता लेकर नहीं आ रहे हैं। इसके बावजूद यदि उनके अब तक के महत्वपूर्ण निर्णयों को देखें तो कुछ फैसले उल्लेखनीय हैं। इनमें प्रमुख है चुनावी बॉण्ड योजना को असंवैधानिक घोषित करना तथा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल को इस आधार पर जमानत देना कि उन्हें जेल में पहले ही 90 दिनों तक रखा जा चुका था। मुख्य न्यायाधीश पद के साथ जो महत्वपूर्ण जिम्मेदारी जुड़ी है, वह है श्मास्टर ऑफ दि रोस्टरश की। यानी कौन सा मामला किस जस्टिस के पास सुनवाई के लिये जाये, यह निर्धारण भी उसे करना होता है। लम्बे समय तक सीजेआई के इस उत्तरदायित्व के बारे में लोगों को बहुत कम जानकारी थी परन्तु पिछले दिनों सरकार के विरोधी कहे जाने वाले अनेक लोगों के मामले जब एक ऐसी न्यायाधीश के पास जाने लगे जो गुजरात हाईकोर्ट से आई हुई हैं, तो लोगों की नजरें चीफ जस्टिस के 'मास्टर ऑफ दि रोस्टर' की भूमिका पर भी गयीं। वह भी इसलिये कि उन जस्टिस की कलम से ज्यादातर ऐसे निर्णय आये जो सरकार के पक्ष में थे। नये सीजेआई को श्मास्टर ऑफ दि रोस्टरश की भूमिका तथा कार्यप्रणाली में ही पारदर्शिता तथा निष्पक्षता लानी होगी। मास्टर की शिक्तयां असीमित हैं और उसे चुनौती देना तो दूर, उस पर सवाल भी खड़े नहीं किये जा सकते। जस्टिसों की नियुक्तियों के लिये बने कोलेजियम के कामकाज को पारदर्शी बनाने की भी जस्टिस खन्ना की जिम्मेदारी होगी जो पारदर्शी न्याय प्रणाली की मांग करने वाले चाहते रहे हैं। वकालत में 23 वर्षों का अनुभव रखने वाले जस्टिस खन्ना दिल्ली हाईकोर्ट में फरवरी 2006 में परमानेंट जज बने थे। सुप्रीम कोर्ट में अनेक महत्वपूर्ण फैसलों में वे स्वतंत्र रूप से या बेंच का हिस्सा रहे। उन्होंने शत–प्रतिशत वीवीपैट मिलान की मांग को खारिज कर दिया था जिसके कारण ज्यादातर लोगों को लगता है कि यह भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में गया है। ऐसे ही, जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 रद्द करने के खिलाफ दायर याचिका को अमान्य कर दिया था जो भाजपा के साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण का उपकरण था। वैसे वे मोदी सरकार की लाई इलेक्टोरल बॉड्स योजना को असंवैधानिक कहने वाली बेंच का हिस्सा थे, लेकिन इसमें किसी से एक पैसे की भी वसूली नहीं की। यानी गैरकानूनी धन उसे पाने वाले के पास ही रहने दिया।

महाराष्ट्र: मोदी का खाली तरकश

राजेंद्र शर्मा

महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार के बीचों–बीच, भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति की सबसे बड़ी दरार खुलकर सामने आ गयी है। एनसीपी के अजित पवार गुट ने, गठजोड़ की अपनी सबसे बड़ी सहयोगी, भाजपा के शीर्ष स्टॉर प्रचारक, योगी आदित्यनाथ के इस राज्य में चुनाव प्रचार में श्कटेंगे तो बटेंगेश जैसे सांप्रदायिक नारों का इस्तेमाल करने और सांप्रदायिक विभाजन करने वाली बोली बोलने पर, सार्वजनिक तौर पर आपत्ति जताई है। उन्होंने एक से ज्यादा मौकों पर कहा है कि श्बाहर से आकर लोग यह सब कहकर चले जाते हैं, महाराष्ट्र के लोग यह सब पसंद नहीं करते हैं, महाराष्ट्र में यह सब काम नहीं करता हैश। और यह भी कि महाराष्ट्र के लोग शिवाजी, साहूजी महाराज और अंबेडकर की परंपरा पर चलने वाले हैं, जो किसी से भेदभाव नहीं करना सिखाती है, आदि। यह दिलचस्प है कि खुद भाजपा के किसी प्रमुख नेता ने तो इस मुद्दे पर अजित पवार को जवाब देने की जरूरत नहीं समझी है, लेकिन शिव सेना के शिंदे गुट में नये–नये प्रवक्ता बने, संजय निरुपम ने जरूर उन्हें यह समझाने की कोशिश की है कि योगी ने जो कहा सही था और समय के साथ अजित पवार की भी समझ में आ जाएगा। याद रहे कि इससे पहले भी नवाब मलिक को एनसीपी का टिकट दिए जाने पर, भाजपा के साथ अजित गुट की खींचतान सामने आई थी। मलिक का नाम भाजपा के नेतागण तब से बड़े जोर–शोर से दाऊद इब्राहिम से जोड़ते आए थे, जब उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली सरकार में मलिक मंत्री थे और बाद में मलिक को कई आरोपों में केंद्रीय एजेंसियों द्वारा जेल में बंद भी रखा गया था। दिलचस्प है कि मलिक की बेटी को भी इस चुनाव में सत्ताधारी गठबंधन की तरफ से टिकट मिला है, लेकिन उनके प्रत्याशी बनाए जाने पर भाजपा ने कोई विरोध नहीं जताया है बल्कि महायुति के हिस्से के तौर पर उनके लिए चुनाव प्रचार करने का वादा भी किया है। लेकिन, नवाब मलिक के मामले में भाजपा ने, उनके पक्ष में चुनाव प्रचार न करने का ऐलान किया है। फिर भी इसे भाजपा के नेतृत्व वाले सत्ताधारी गठजोड़ के अंदर थोड़ी–बहुत खींचतान का ही मामला कहा जाएगा। लेकिन, आदित्यनाथ के सांप्रदायिक बोलों पर अजित पवार की एनसीपी के सार्वजनिक रूप से विरोध जताने के, कहीं गहरे और गंभीर निहितार्थ हैं। बेशक, इन गंभीर निहितार्थों का अर्थ यह कतई नहीं है कि इन मतभेदों के चलते सत्ताधारी गठजोड़ में कोई ऊपर से दिखाई देने वाली दरार पड़ जाने वाली है, जिसका 20 नवंबर को होने वाले चुनाव पर कोई गंभीर असर होने जा रहा हो। ऐसा कुछ भी होने वाला नहीं है। इसका कुछ अंदाजा तो इसी तथ्य से लग जाता है कि भाजपा इसे कोई बड़ा मुद्द बनाने से बचने की ही कोशिश करती नजर आ रही है। एक प्रकार से अजित पवार ही हैं जो इसे मुद्दा बना रहे हैं, जबकि भाजपा इस विवाद से बचती ही नजर आती है। इसकी वजह यह है कि भाजपा अच्छी तरह से जानती है कि वह सत्ताधारी गठजोड़ में किसी तरह की टूट की इजाजत नहीं दे सकती है। उसे चुनाव में पूरा गठजोड़ एकजुट चाहिए ही, वर्ना पहले ही मुश्किल नजर आ रहे चुनाव में, सत्ता उसके हाथ से फिसल जाएगी। इसलिए, हैरानी की बात नहीं होगी कि भाजपा अपनी ओर से इस मामले में अजित पवार की चिंताओं को कुछ रियायत भी देने के लिए तैयार हो जाए। मिसाल के तौर पर अजित पवार ने योगी के बोलों पर अपनी आपत्ति, नरेंद्र मोदी की महाराष्ट्र की चुनावी रैलियों की पूर्व–संध्या में दर्ज कराई थी। इसलिए, यह देखना दिलचस्प होगा कि खुद प्रधानमंत्री, विभाजनकारी बोलों से कितना परहेज करते हैं या अजित पवार की आलोचनाओं को पूरी तरह से अनदेखा ही कर देते हैं। वैसे मोदी जी महाराष्ट्र में अपनी पहले की सभाओं में और हाल ही में झारखंड की अपनी चुनाव रैलियों में, योगी के नारे को मामूली रंग–रोगन के साथ बाकायदा अपना भी चुके थेकृएक रहेंगे, तो सेफ रहेंगे! हो सकता है कि कांख भी ढकी रहे और मुठ्ठी भी तनी रहे की ऐसी ही चतुराई प्रधानमंत्री महाराष्ट्र के अपने चुनावी दौरे में भी दिखाएं। कहने की जरूरत नहीं है कि अजित पवार भी कोई इस मुद्दे पर सत्ताधारी गठजोड़ से नाता तोड़ने के लिए उत्सुक नहीं हैं। इसके विपरीत, वह सत्ताधारी गठजोड़ में बने रहने के लिए उत्सुक ही नजर आते हैं। हां! संघ–भाजपा की अल्पसंख्यक–विरोधी और खासतौर पर मुस्लिम अल्पसंख्यक–विरोधी छवि से, वह खुद को अलग जरूर दिखाना चाहते हैं। याद रहे कि अजित पवार की एनसीपी की सत्ताधारी गठजोड़ में मौजूदगी शुरू से ही एक असहज सी मौजूदगी रही है। इसकी एक बड़ी वजह यह थी कि एनसीपी के शीर्ष नेताओं में से होने के चलते, अजित पवार हमेशा से ही संघ–भाजपा के निशाने पर रहे थे और कांग्रेस–एनसीपी सरकार के समय में शक्तिशाली मंत्री रहते हुए उन पर भाजपा ने, भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप भी लगाए थे। यहां तक कि अजित पवार गुट के सत्ताधारी गठजोड़ में आकर मिलने से चंद रोज पहले तक, खुद प्रधानमंत्री मोदी उन पर 75 हजार करोड़ रुपए के सिंचाई घोटाले के आरोप लगा रहे थे। प्रतिद्वंद्विता के इस लंबे इतिहास के चलते, अजित पवार का सत्ताधारी गठजोड़ में लिया जाना, आरएसएस को गवारा नहीं हुआ था। लोकसभा चुनाव के बाद, जब महाराष्ट्र में चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले गठजोड़ की बुरी दुर्गति हुई, आरएसएस ने और भाजपा के भी एक हिस्से ने सार्वजनिक तौर, हार का ठीकरा अजित पवार गुट को सत्ताधारी गठजोड़ में शामिल किए जाने के सिर पर ही फोड़ने की कोशिश की थी। आरएसएस के अखबारों ने बाकायदा इसे भाजपा की हार का प्रमुख कारण ही बताया था। कम से कम इसके बाद से अजित पवार को इसमें कोई भ्रम नहीं रह गया होगा कि गठजोड़ में उनकी हैसियत, भाजपा की मजबूरी की ही है। जाहिर है कि भाजपा की मजबूरी का मतलब, चुनाव की मजबूरी ही है। यह कहना भी गलत नहीं होगा कि मुस्लिम–विरोधी छवि की यह चिंता सत्ताधारी गठजोड़ के तीसरे घटक, शिंदे के नेतृत्व वाली शिव सेना की भी होगी, हालांकि वह न तो इसे लेकर उतनी मुखर नजर नहीं आती है। लेकिन, इस सारी खींच–तान का अर्थ यह हर्गिज नहीं है कि भाजपा अपने मुस्लिमविरोधी चेहरे के साथ किसी तरह से समझौता करने जा रही है, उसमें कोई नरमी आने देने वाली है। इसके विपरीत, उसकी रणनीति यही लगती है कि सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के ताप से, अपने मूल सांप्रदायिक समर्थन आधार को ज्यादा से ज्यादा सक्रिय रखा जाए। याद रहे कि लोकसभा चुनाव के समय संघ परिवार के कुछ हिस्सों के उदासीन हो जाने की शिकायतें भी सुनने में आई थीं। बहरहाल, हिंदू वोट का यह अधिकतम ध्रुवीकरण की कोशिश करते हुए, भाजपा यह भी सुनिश्चित करने के लिए चिंतित है कि कहीं अल्पसंख्यकों का वोट एकमुश्त विपक्ष के पाले में नहीं चला जाए। इस वोट को बांटने का उसकी नजरों में सबसे कारगर उपाय तो यही हो सकता है कि सत्ताधारी खेमे से ही कोई पार्टी इस वोट में सेंध लगाने की स्थिति में हो। संघ–भाजपा को चूंकि खुद इस जरूरत का एहसास है बल्कि यह उनकी अपनी जरूरत है, इसलिए वे अपनी सहयोगी पाघ्टयों को इस लिहाज से थोड़ी–बहुत छूट देने के लिए तैयार होंगे। लेकिन, यह एक ओर संघ–भाजपा और दूसरी ओर अन्य सभी के बीच की बुनियादी विभाजक रेखा को रौशन कर देता है। मुद्दा सिर्फ यह नहीं है कि विधानसभाई चुनाव के बाद, भाजपा के ये अप्राकृतिक सहयोगी कहां तक उसके साथ बने रह पाएंगे। मुद्दा यह भी है कि विधानसभाई चुनाव में ही महाराष्ट्र की जनता, इस विभाजन के मद्देनजर क्या और कैसा फैसला करने जा रही है? इस लिहाज से इस चुनाव में, मई के आम चुनाव के नतीजों से बहुत भिन्न नतीजे आने का कोई वस्तुगत कारण नहीं बनता है। और आम चुनाव के नतीजे दोहराए जाने का अर्थ होगा, भाजपा और उसके सहयोगियों की हार।

ट्रम्प 2.0 प्रशासन का दुनिया के मुस्लिम देशों पर अलग–अलग प्रभाव पड़ेगा

असद मिर्जा

डोनाल्ड ट्रम्प के व्हाइट हाउस में फिर से प्रवेश को पूरी दुनिया में, खासकर दुनिया भर के मुस्लिम देशों में, बेसब्री से देखा जा रहा है, क्योंकि दुनिया यह देखने के लिए इंतजार कर रही है कि उनका वर्तमान राष्ट्रपति पद किस तरह से चलेगा। क्या यह पिछले राष्ट्रपति की तरह अमेरिका फर्स्टश होगा या विशेष रूप से मुस्लिम देशों के साथ व्यवहार करते समय अधिक सहिष्णु होगा?डोनाल्ड ट्रम्प ने चार साल की अनुपस्थिति के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति पद पर पुनः कब्जा कर लिया है। वह 47वें अमेरिकी राष्ट्रपति बन गये हैं और उन्होंने अमेरिकी हितों को प्राथमिकता देने और अन्य देशों की ताकत और संरेखण के आधार पर गठबंधन का आकलन करने के अपने दृष्टिकोण पर लौटने का संकेत दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सऊदी अरब के मोहम्मद बिन सलमान जैसे नेता सहज वार्ता की उम्मीद कर सकते हैं, जबकि इजरायल के बेंजामिन नेतन्याहू डोनाल्ड ट्रंप के रूप में एक सहायक, परिचित सहयोगी का स्वागत करने की उम्मीद कर रहे हैं। हालांकि, यूक्रेन के व्लादिमिर जेलेंस्की को चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप उन देशों को प्राथमिकता देते हैं जो अमेरिकी नीतियों के साथ तालमेल बिठाते हैं या ताकत दिखाते हैं। यही नियम चीन के शी जिनपिंग के साथ उनके भविष्य के व्यवहार पर भी लागू हो सकता है। ट्रंप को दुनिया में दोस्त या दुश्मन के रूप में देखने वाले विश्व नेताओं के अलावा, भारत और कई अन्य देशों को व्हाइट हाउस में उनकी वापसी के साथ विजेता के रूप में देखा जा सकता है, लेकिन उनके राष्ट्रपति पद की सबसे बड़ी परीक्षा मुस्लिम देशों के साथ संबंधों को फिर से स्थापित करने में होगी,जिनमें से अधिकांश पिछले चार वर्षों के दौरान अमेरिका के खिलाफ हो गये हैं। मुस्लिम देशों में, सबसे स्पष्ट और अमेरिका का पुराना सहयोगी सऊदी अरब है। लेकिन क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के नेतृत्व में सऊदी अरब के साथ ट्रंप निश्चित रूप से लंबे समय से प्रतीक्षित सुरक्षा समझौते के प्रयासों को पुनर्जीवित करना चाहेंगे। इजरायल और कई अरब देशों के बीच राजनयिक संबंधा स्थापित करने वाले अब्राहम समझौते में अहम भूमिका निभाने वाले ट्रंप से उम्मीद की जा रही है कि वे सऊदी अरब को भी शामिल करने के लिए इस ढांचे का विस्तार करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। अगर ट्रंप इजरायल और सऊदी अरब के बीच शांति समझौते में सफल होते हैं, तो इससे अमेरिका के लिए सऊदी अरब को अपना सुरक्षा समर्थन बढ़ाने का रास्ता साफ हो सकता है। इससे सऊदी अरब अपना ध्यान आर्थिक विकास पर केंद्रित कर सकेगा और ईरान से संभावित खतरों पर चिंता कम कर सकेगा। द्विपक्षीय संबंधों में तेजी के लिए एक और मुस्लिम देश तुर्की होगा। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेपतैयप एर्दोगन ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद संबंधों में सुधार की उम्मीद कर सकते हैं। एर्दोगन और ट्रंप ने दोस्ताना संबंध बनाये रखे हैं, अक्सर फोन पर संवाद करते हैं, यहां तक कि एर्दोगन उन्हें श्मेरा दोस्तश भी कहते हैं। बाइडेन प्रशासन के विपरीत, ट्रंप की वापसी से एर्दोगन को वाशिंगटन तक सीधी पहुंच मिल सकती है। ट्रम्प के युद्ध–विरोधी रुख और व्यापार पर ध्यान केंद्रित करने से एर्दोगन को लाभ हो सकता है, लेकिन इजराइल की उनकी आलोचना तनाव पैदा कर सकती है। इसके अतिरिक्त, चीन के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए तुर्की के हालिया कदम अमेरिका के साथ अपने संबंधों को संतुलित करने में चुनौतियां पेश कर सकते हैं। राष्ट्रपति रेसेपतैयप एर्दोगन ने अपने श्मित्रश ट्रम्प को जीत की बधाई दी तथा कहा, श्मेरा मानना है ... अमेरिकी लोगों द्वारा चुनाव के साथ शुरू हुए इस नये युग में एक निष्पक्ष दुनिया के लिए और अधिक प्रयास किये जायेंगे।श उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि क्षेत्रीय युद्ध समाप्त हो जायेंगे। मध्य पूर्वी राजनीति में एक और प्रमुख खिलाड़ी ईरान ने अब तक ट्रम्प की वापसी के प्रभाव को कम करके आंका गया है, लेकिन उनके राष्ट्रपति पद पर जीत ने अपने परमाणु कार्यक्रम पर कूटनीति के दरवाजे बंद कर दिये हैं, जिससे तेहरान को उम्मीद थी कि वह प्रतिबंधों से त्रस्त अपनी अर्थव्यवस्था को आसान बना सकता है। इजराइल के एक मजबूत समर्थक, ट्रम्प ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान ईरान के प्रति अधिकतम दबाव की नीति लागू की। वह पहले लगाये गये अमेरिकी प्रतिबंधों को कड़ा करके ईरान को और अलग–थलग कर सकता है। हालांकि, ट्रंप को एक बदले हुए क्षेत्र का सामना करना पड़ेगा, क्योंकि ईरान ने हाल ही में सऊदी अरब और यूएई के साथ संबंधों को मजबूत किया है। सरकार की प्रवक्ता फतेमेहमोह जेरानी ने राजधानी तेहरान में कैबिनेट की बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि अमेरिकी चुनाव से ईरानियों की आजीविका प्रभावित नहीं होगी। उन्होंने कहा, हमारी नीतियां स्थिर हैं और व्यक्तियों के आधार पर नहीं बदलती हैं। जहां तक फिलिस्तीन मुद्दे का सवाल है, यह स्पष्ट नहीं है कि ट्रंप पश्चिम एशियाई युद्ध से कैसे निपटेंगे। उन्होंने गाजा में हमास के खिलाफ लड़ाई में इजरायल का समर्थन किया है, लेकिन उससे हमले खत्म करने का आग्रह किया है। उम्मीद की जा सकती है कि ट्रम्प इजरायल को हथियार देने की बाइडेन प्रशासन की नीति को जारी रखेंगे। ट्रम्प ने दावा किया है कि वे यूक्रेन में शांति लायेंगे। चीन की अनुचित व्यापार प्रथाओं पर अंकुश लगाना, सहयोगियों को भुगतान करने के लिए मजबूर करना, तथा 7 अक्टूबर को इजरायल में हुए हमलों जैसे अन्य झटकों को रोकना आदि उनकी मुख्य घोषणाएं हैं, और दुनिया भर के निर्णयकर्ता डरते हैं कि अगर वे उनकी अवज्ञा करेंगे तो पता नहीं वह क्या करेंगे। अमेरिका अन्य मुस्लिम देशों तथा मिस्र, जॉर्डन, ओमान, कतर और यूएई जैसी अन्य क्षेत्रीय शक्तियों के साथ अपने निरंतर संबंधों के बारे में आश्वस्त है। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देलफत्ताह अल–सिसी ने कहा है कि वह क्षेत्र में शांति और स्थिरता प्राप्त करने और मिस्र और अमेरिकी लोगों के हितों के लिए मिलकर काम करने के लिए तत्पर हैं। जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला द्वितीय ने कहा है कि वह ट्रम्प के साथ क्षेत्रीय और वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए, संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ दीर्घकालिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए फिर से काम करने के लिए तत्पर हैं। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद ने कहा कि उनका देश सभी के लिए अवसर, समृद्धि और स्थिरता के भविष्य की दिशा में अमेरिका में अपने भागीदारों के साथ काम करना जारी रखने के लिए तत्पर है। अफगानिस्तान, पाकिस्तान, बांग्लादेश और मलेशिया जैसे अन्य मुस्लिम देशों ने भी नये अमेरिकी राष्ट्रपति को बधाई देते हुए हमेशा की तरह सौहार्द्रपूर्ण माहौल में बधाई दी। अफगानिस्तान ने उम्मीद जताई कि दोनों देशों के बीच संबंधों में ठोस प्रगति होगी और दोनों देश आपसी बातचीत के आलोक में संबंधों का एक नया अध्याय खोल पायेंगे।

रूपाली गांगुली ने सौतेली बेटी पर ठोका मानहानि का केस, बोली-मेरी छवि खराब करने के आरोप में दो 50 करोड़

अभिनेत्री रूपाली गांगुली ने अपनी सौतेली बेटी ईशा वर्मा को मानहानि का नोटिस भेजा है, जिसमें उनके चरित्र और निजी जीवन को 'खराब' करने के लिए 50 करोड़ रुपये का मुआवजा मांगा गया है। यह कानूनी नोटिस ईशा के झूठे और नुकसानदेह बयानों के जवाब में भेजा गया है और यह कदम उनकी प्रतिष्ठा की रक्षा के लिए उठाया गया है। नोटिस में उल्लेख किया गया है कि गांगुली ने 50 करोड़ रुपये का मुआवजा भी मांगा है। यह नोटिस गांगुली की वकील सना रईस खान ने भेजा है। कानूनी नोटिस में लिखा गया–हमारे मुवक्किल ने कहा है कि वह अब एक्स, इंस्टाग्राम और फेसबुक सहित विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आपके द्वारा प्रकाशित पोस्ट और टिप्पणियों को देखकर हैरान रह गई। हमारे मुवक्किल ने कहा है कि वर्तमान नोटिस जारी करने के लिए सही और सटीक तथ्य प्रस्तुत करना उचित है... नोटिस में, यह उल्लेख किया गया है कि रूपाली गांगुली मानसिक आघात से गुजरी हैं, जिसके कारण उन्हें चिकित्सा सहायता लेनी पड़ी और उन्हें सेट पर अपमानित किया गया और पेशेवर अवसर खो दिए। यह भी कहा गया है कि गांगुली गरिमापूर्ण चुप्पी बनाए रखना चाहती थीं, लेकिन जिस तरह से उनके और अश्विन वर्मा के 11 वर्षीय बेटे को घसीटा गया, उसके कारण उन्हें मानहानि का नोटिस शुरू करने के लिए मजबूर होना पड़ा। गांगुली ने अपने वकील के माध्यम से 50 करोड़ रुपये के मुआवजे का दावा किया है, जिसे उनकी सौतेली बेटी को चुकाना होगा। उन्होंने तुरंत बिना शर्त सार्वजनिक माफी मांगने के लिए भी कहा है, ऐसा न करने पर गांगुली ने कानूनी कार्रवाई की धमकी दी है। नोटिस में यह स्पष्ट किया गया कि रूपाली गांगुली 2009 में अपनी दूसरी पत्नी ईशा वर्मा की मां से अलग होने से पहले 12 साल तक अश्विन वर्मा की दोस्त थीं। नोटिस में यह भी कहा गया है कि गांगुली ने वर्मा के साथ मिलकर ईशा को मनोरंजन उद्योग में प्रवेश दिलाने में मदद करने की कोशिश की, फोटोशूट के अवसर प्रदान करके और ऑडिशन के लिए विशेष व्यवस्था करके। यह सब तब शुरू हुआ जब एक रेडिट पोस्ट वायरल हो गई, जब एक उपयोगकर्ता ने ईशा द्वारा की गई एक पुरानी फेसबुक टिप्पणी के अंश साझा किए। टिप्पणी में, उसने गांगुली पर अपने पिता अश्विन के साथ संबंध रखने का आरोप लगाया, जबकि वह

> “ गांगुली ने अपने वकील के माध्यम से ५० करोड़ रुपये के मुआवजे का दावा किया है, जिसे उनकी सौतेली बेटी को चुकाना होगा। उन्होंने तुरंत बिना शर्त सार्वजनिक माफी मांगने के लिए भी कहा है, ऐसा न करने पर गांगुली ने कानूनी कार्रवाई की धमकी दी है।

अभी भी उसकी मां से विवाहित था, उसने रूपाली को क्रूर–हृदय बताया। इस पोस्ट ने तुरंत ऑनलाइन हलचल मचा दी, जिसके कारण अश्विन ने एक्स पर एक बयान जारी कर दावों का खंडन किया। जवाब में, ईशा ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए कहा–इस कहानी का एक गहरा पक्ष है... मैं बस यही चाहती हूं कि जब यह सामने आए तो दया की भावना हो।

'रॉकस्टार' ने हमेशा के लिए बदल दी अभिनेत्री संजना सांघी की जिंदगी

फिल्म इंडस्ट्री की क्यूट और खूबसूरत अभिनेत्री संजना सांघी खास अंदाज में 'रॉकस्टार' की एनिवर्सरी को सेलिब्रेट कर रही हैं। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर फिल्म का एक पोस्टर शेयर कर अपने दिल की बात कही है। संजना सांघी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर साल 2011 में रिलीज हुई फिल्म 'रॉकस्टार' का एक पोस्टर शेयर किया। अभिनेत्री के द्वारा शेयर किए गए पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा "हमारी 11 नवंबर 2011 सालगिरह। वह दिन जिसने मेरी जिंदगी की दिशा हमेशा के लिए बदल दी। 13 साल बाद मैं मुंबई में अपने घर में सुबह की चाय पीते हुए, अपने लिविंग रूम में 'रॉकस्टार' की रिलीज के दिन से इस शानदार फर्स्ट प्रिंट पोस्टर को देख रही हूं। अभिनेत्री ने आगे लिखा छोटी मैंडी शायद कभी खुद के लिए इसकी कल्पना नहीं कर पाई होगी। 'रॉकस्टार' और सबसे कीमती लोगों और यादों के लिए जो इसने मुझे हमेशा के लिए दिए हैं थैंक्यू।" अभिनेत्री ने निर्देशक इम्तियाज अली, एआर रहमान, रणबीर कपूर, नरगिस फाखरी को टैग करने के साथ रॉकस्टार एनिवर्सरी लिखा। बता दें कि संजना सांघी ने साल 2011 में रिलीज हुई इम्तियाज अली की रोमांटिक–ड्रामा फिल्म रॉकस्टार के साथ अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। उस वक्त संजना की उम्र 14 वर्ष थी। फिल्म में उन्होंने चाइल्ड आर्टिस्ट का रोल प्ले किया था। इसके बाद अभिनेत्री ने 'फुकरे रिटर्न्स' और 'हिंदी मीडियम' में काम किया। संजना सांघी 2018 में आई फिल्म 'दिल बेचारा' में नजर आई थीं। 'द फॉल्ट इन आवर स्टार्स' के रूपांतरण फिल्म में संजना के साथ दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत लीड रोल में थे। रॉकस्टार साल 2011 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म है, जो कि बॉक्स ऑफिस पर सफल रही और फिल्म को दर्शकों का काफी प्यार मिला। म्यूजिकल–रोमांटिक ड्रामा फिल्म का निर्देशन इम्तियाज अली ने किया। फिल्म में रणबीर कपूर और नरगिस फाखरी के साथ पीयूष मिश्रा, अदिति राव हैदरी भी अहम भूमिका में थे। फिल्म के संगीत को एआर रहमान ने तैयार किया था।

अक्षय कुमार और परेश रावल संग एक ही फ्रेम में कैद हुए सुनील शेट्टी, बोले- 'हेरा फेरी नहीं'

बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी ने 'हेरा फेरी' के सह–कलाकारों अक्षय कुमार और परेश रावल के साथ सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर कीं। उन्होंने फैंस को हिंट दिया कि अभी वह हेरा फेरी नहीं बल्कि कूडो टूर्नामेंट के साथ वापस आ रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर वीडियो मोंटाज शेयर कर सुनील शेट्टी ने कैप्शन में लिखा "धूम धड़ाका ऑर्केस्ट्रा वापस आ गया है! लेकिन अभी हेरा फेरी नहींइसर्फि एक्शन! 16वें कूडो इंटरनेशनल टूर्नामेंट के लिए अक्षय कुमार तैयार!" इसमें हेरा फेरी स्टार्स साथ में नजर आ रहे हैं। तीनों चार्टर्ड प्लेन में चढ़ते और कार्यक्रम स्थल पर दिख रहे हैं। श्ध् ूम धड़ाका ऑर्केस्ट्राश शब्द भी 2006 में रिलीज हुई हेराफेरी से लिया गया है। हेरा फेरी' पहली बार 2000 में रिलीज हुई थी। प्रियदर्शन निर्देशित कॉमेडी फिल्म को दर्शकों का ढेरों प्यार मिला। इसमें अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, परेश रावल के साथ ओम पुरी और गुलशन ग्रोवर भी अहम रोल में थे। फिल्म हेरा फेरी 1989 की मलयालम फिल्म 'रामजी राव स्पीकिंग' की रीमेक है, जो 1971 की अमेरिकी फिल्म 'सी द मैन रन' से प्रेरित थी। इस बीच फिल्म की कहानी पर नजर डालें तो यह दो किरायेदारों, राजू और श्याम और उनके मकान मालिक बाबूराव गणपतराव आप्टे के इर्द–गिर्द घूमती है, जिन्हें पैसों की सख्त जरूरत है। उन्हें क्रॉस–कनेक्शन के जरिए फिरौती के लिए कॉल आती है और वे फिरौती मांगने की योजना बनाते हैं। दूसरी किस्त 2006 में रिलीज हुई थी। यह पिछली फिल्म की घटनाओं पर आधारित है, किस्मत का एक ऐसा मोड़ आता है जब राजू (कुमार), श्याम (शेट्टी) और बाबू (रावल) की जिंदगी बदल जाती है और उन्हें एक धोखेबाज अनुराधा (बासु) धोखा दे देती है। फिल्म कॉमेडी और शानदार कलाकारों के साथ दर्शकों के दिलों में खासा स्थान बना चुकी है। हेरा फेरी को कॉमेडी फिल्मों में एक मील का पत्थर माना जाता है, साथ ही यह अब तक बनी बेहतरीन सीक्वल में से एक है।

द साबरमती रिपोर्ट रिलीज से पहले गोधरा रेलवे स्टेशन पहुंचे विक्रांत मैसी

अपनी आगामी फिल्म द साबरमती रिपोर्ट की रिलीज से पहले अभिनेता विक्रांत मैसी गोधरा स्टेशन के दौरे पर पहुंचे। अभिनेता की तस्वीरें वायरल हो रही हैं, जिसमें वह ग्रे स्वेटशर्ट, डेनिम और सफेद बेसबॉल कैप पहने नजर आ रहे हैं। इस दौरान उन्होंने फोटो भी खिंचवाए। हालांकि, अभिनेता इस दौरान काफी चिंताग्रस्त नजर आ रहे हैं। द साबरमती रिपोर्ट साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन में आग लगने की घटना पर आधारित है। यह दुखद घटना 27 फरवरी, 2002 को हुई थी, जब गुजरात के गोधरा रेलवे स्टेशन के पास साबरमती एक्सप्रेस के एस6 कोच में भीड़ ने आग लगा दी थी। फिल्म में साउथ फिल्म इंडस्ट्री की खूबसूरत अभिनेत्री राशि खन्ना और विक्रांत मैसी पत्रकारों की भूमिका में हैं, जो भारत की सबसे विवादास्पद घटनाओं में से एक के पीछे की क्रूर सच्चाई को उजागर करने के लिए एक साथ आते हैं। वहीं, अभिनेत्री रिद्धि डोगरा ने एक अंग्रेजी पत्रकार की भूमिका निभाई है, जो सिस्टम के साथ खड़ी होती है, क्योंकि वह चाहती है कि सच्चाई सामने ना आ पाए। द साबरमती एक्सप्रेस फिल्म 2002 में गुजरात के गोधरा के पास साबरमती एक्सप्रेस के आसपास की दुखद घटनाओं पर आधारित है। हाल ही में रिलीज हुए फिल्म के ट्रेलर में विक्रांत के अभिनय ने पहले ही एक मजबूत प्रभाव डाला है और रिलीज की तारीख आने के साथ फिल्म की प्रतिक्षा दर्शक कर रहे हैं। बालाजी मोशन पिक्चर्स, विकिर फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत, द साबरमती रिपोर्ट शोभा कपूर, एकता आर कपूर, अमूल वी मोहन और अंशुल मोहन द्वारा निर्मित है। यह फिल्म इसी साल 15 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। 9 नवंबर को राशि खन्ना ने फिल्म के सेट से विक्रांत के साथ एक प्यारा सा बिहाइंड द सीन वीडियो शेयर किया था।

अनिल कपूर ने 'तेजाब' के 36 साल पूरे होने का मनाया जश्न

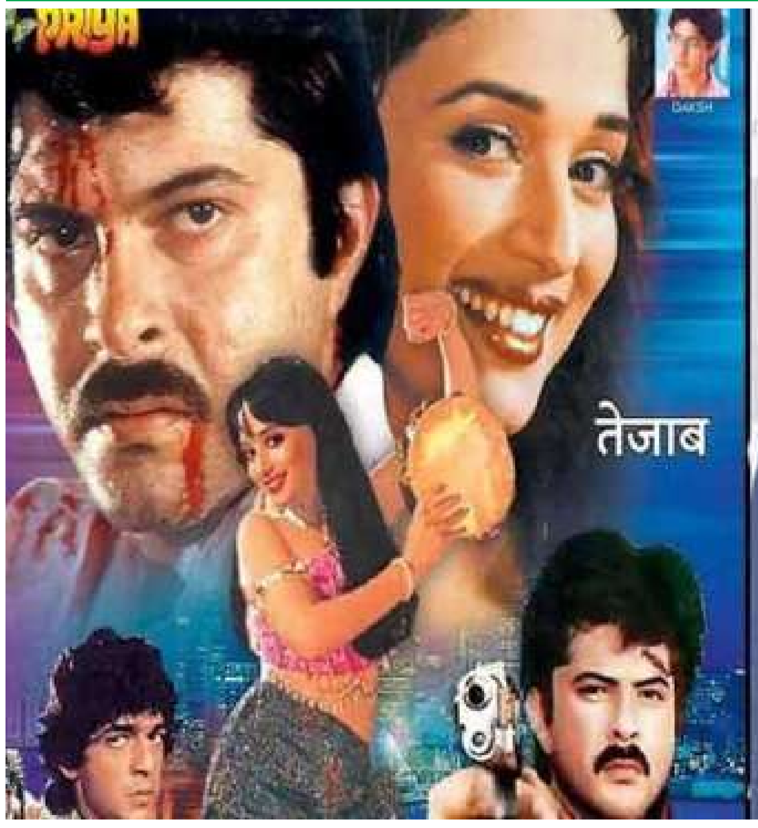

फिल्म 'तेजाब' के 36 साल पूरे होने की खुशी मनाते हुए अभिनेता अनिल कपूर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में कुछ लोगों को एक दो तीन चार' गाने पर डांस करते हुए देखा जा सकता है। अभिनेता ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो पोस्ट किया और कैप्शन में लिखा, श्तेजाब के 36 साल पूरे होने का जश्न, फिल्म, यादगार संगीत और प्रतिष्ठित किरदार महेश देशमुख उर्फ मुन्ना आज भी लाखों लोगों के दिलों में जिंदा हैं। लक्ष्मीकांत प्यारेलाल के संगीत, जावेद अख्तर के बोल और अनुपम खेर के साथ माधुरी दीक्षित नेने के लाजवाब अभिनय के साथ एन. चंद्रा की इस रचना ने एक युग को परिभाषित किया है। क्लिप में, वरिष्ठ नागरिकों के एक समूह को एक दो तीन चार गाने पर नाचते हुए देखा जा सकता है। एन. चंद्रा द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अनिल कपूर और माधुरी दीक्षित मुख्य भूमिकाओं में थे। रोमांटिक एक्शन ड्रामा ने माध्ुरी दीक्षित को 10 फ्लॉप फिल्मों के बाद सुपरस्टार बना दिया। यह फिल्म अभिनेत्री का पहला बड़ा ब्रेक था और इसने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया। फिल्म में अनिल कपूर ने महेश देशमुख उर्फ मुन्ना की भूमिका निभाई थी, जो नौसेना छोड़ने के बाद अपने माता–पिता की हत्या करने वाले गिरोह से बदला लेने के लिए गुंडा बन जाता है। फिल्म में मुन्ना और माधुरी दीक्षित के किरदार के बीच एक प्रेम कहानी भी है, जिसमें वह उसी गिरोह के चंगुल से उसे बचाने के लिए संघर्ष करता है। 11 नवंबर, 1988 को रिलीज हुई तेजाब बॉक्स ऑफिस पर एक बड़ी हिट रही और साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई। 50 से ज्यादा हफ्तों तक सिनेमाघरों में चलने के बाद इस फिल्म ने चंद्रा को अंकुश और प्रतिघात जैसी हिट फिल्मों के बाद लगातार तीसरी सफलता दिलाई। यह फिल्म खास तौर पर अपने गाने श्एक दो तीन के लिए मशहूर हुई, जो म्यूजिक चार्ट में सबसे ऊपर रहा और आज भी क्लासिक बना हुआ है। अनिल कपूर की इस फिल्म को तेलुगु में ष्टू टाउन राउडी के नाम से बनाया गया, जिसमें दग्गुबाती वेंकटेश ने मुख्य भूमिका निभाई और तमिल में रोजावाई किलाथे के नाम से अर्जुन ने मुख्य भूमिका निभाई। इस कहानी ने प्रभास अभिनीत 2004 की तेलुगु फिल्म वर्षम को भी प्रेरित किया। इसके अलावा, फिल्म का मुख्य कथानक 1984 की हॉलीवुड फिल्म स्ट्रीट्स ऑफ फायर पर आधारित है। अनिल कपूर अगली बार फिल्म सूबेदार में नजर आएंगे, जो निर्देशक सुरेश त्रिवेणी के साथ उनका पहला सहयोग है।

रोज सुबह चबाएं बस तुलसी की इतनी पत्तियां, कभी नहीं बनेंगे बीपी-शुगर के मरीज !

हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे को बेहद पवित्र माना गया है। यह पौधा हर घर में आसानी से मिल जाता है। तुलसी का धार्मिक महत्व्व तो है ही, साथ ही इसका इस्तेमाल औषधि के रूप में भी खूब किया जाता है। तुलसी को आयुर्वेद में संजीवनी बूटी कहा गया है, क्योंकि यह कई बीमारियों के इलाज में मददगार मानी गई है। तुलसी में एंटीबैक्टीरियल, एंटीवायरल और एंटीऑक्सिडेंट गुण पाए जाते हैं, जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं और कई रोगों से सुरक्षा प्रदान करते हैं। रोज सुबह तुलसी के पत्ते चबाने से निम्नलिखित बीमारियों से राहत मिल सकती हैरू

तुलसी का सेवन करने से इन बीमारियों से मिलती है राहत

सर्दी–जुकाम और खांसीः तुलसी के पत्तों का सेवन गले की खराश और सर्दी–जुकाम में राहत देता है। इसके एंटीवायरल गुण वायरस से लड़ने में मदद करते हैं।

बुखारः तुलसी के पत्ते बुखार में भी फायदेमंद होते हैं। नियमित सेवन से बुखार को नियंत्रित करने में मदद मिलती है, खासकर वायरल बुखार में।

अस्थमा और सांस की समस्याएंः तुलसी के पत्तों के सेवन से फेफड़ों की कार्यक्षमता बढ़ती है, जिससे अस्थमा और अन्य सांस की समस्याओं में आराम मिलता है।

पाचन में सुधारः तुलसी का सेवन अपच, गैस, और कब्ज जैसी पाचन समस्याओं को दूर करने में मदद करता है।

ब्लड शुगरः तुलसी ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करती है, इसलिए यह डायबिटीज के मरीजों के लिए लाभदायक होती है।

तनाव और मानसिक स्वास्थ्यः तुलसी के पत्ते मानसिक शांति प्रदान करते हैं और तनाव कम करने में सहायक होते हैं।

हृदय स्वास्थ्यः तुलसी का सेवन हृदय को स्वस्थ रखने में मदद करता है और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करता है।

त्वचा और बालों के लिएः तुलसी के एंटीऑक्सिडेंट गुण त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाए रखते हैं और बालों में रूसी की समस्या को कम करते हैं।

तुलसी का सेवन करने का सही तरीका

–रोज सुबह खाली पेट 4–5 तुलसी के पत्ते चबाएं। इससे शरीर में रोगों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है।

– तुलसी के पत्तों को पानी में उबालकर पीने से शरीर में ऊर्जा का संचार होता है और विषाक्त पदार्थ बाहर निकलते हैं।

–तुलसी, अदरक और काली मिर्च का काढ़ा बनाकर पीने से सर्दी–जुकाम में राहत मिलती है।

–तुलसी की चाय सुबह के समय पिएं, यह दिमाग को शांति और ताजगी प्रदान करती है।

– तुलसी के सूखे पत्तों का पाउडर बना लें और इसे पानी या शहद के साथ सुबह सेवन करें।

कौन सी तुलसी है अधिक फायदेमंद?

तुलसी के दो मुख्य प्रकार हैं राम तुलसी और श्याम तुलसी और दोनों ही अपने औषधीय गुणों के लिए जानी जाती हैं। हालांकि दोनों तुलसी शरीर के लिए लाभकारी हैं, लेकिन श्याम तुलसी को औषधीय गुणों में अधिक प्रभावी माना जाता है और यह गंभीर बीमारियों के इलाज में अधिक प्रभावी मानी जाती है। इस वजह से, श्याम तुलसी को स्वास्थ्य लाभों के दृष्टिकोण से अधिक फायदेमंद माना जाता है।

घर का बना खाना भी हो सकता है अनहेल्दी, इन तरीकों से रखें सेहतमंद!

बहुत से लोग मानते हैं कि घर में बना खाना हमेशा हेल्दी होता है, लेकिन यह सच नहीं है। अगर खाना बनाने के तरीके और सामग्री पर ध्यान न दिया जाए तो घर का खाना भी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च की रिपोर्ट बताती है कि यदि घर में बने खाने में अधिक मात्रा में शुगर, नमक या तेल का इस्तेमाल किया जाए तो वह भी सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। ऐसे भोजन से मोटापा, डायबिटीज और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है।

कौन से घर के खाने हैं अनहेल्दी?

हेल्थ एक्सपर्ट्स बताते हैं कि बहुत से लोग खाने को स्वादिष्ट बनाने के लिए उसमें ज्यादा तेल, मक्खन, और मसालों का इस्तेमाल करते हैं, जो सेहत के लिए सही नहीं हैं। जैसे– भटूरे, पूड़ी, कोफ्ते जैसे डीप फ्राइड फूड्स सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं, जिससे दिल की बीमारियां, वजन बढ़ना और शुगर जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा, अदरक–लहसुन पेस्ट या टमाटर प्यूरी जैसे प्रोसेस्ड मसाले खाने में इस्तेमाल करना भी सही नहीं है, क्योंकि इनमें कई हानिकारक तत्व होते हैं।

ज्यादा पकाने से पोषक तत्व होते हैं नष्ट

खाना अगर बहुत ज्यादा पकाया जाए तो उससे उसमें मौजूद आवश्यक पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं। इस तरह का खाना खाने से शरीर को पर्याप्त पोषण नहीं मिल पाता और पाचन की समस्याएं भी हो सकती हैं। साथ ही, कुछ घरों में भोजन में सलाद, फल, प्रोटीन जैसे आवश्यक तत्व शामिल नहीं किए जाते हैं, जिससे जरूरी पोषक तत्वों की कमी होती है।

कैसे बनाएं घर का खाना हेल्दी?

घर के खाने को हेल्दी और संतुलित रखने के लिए निम्नलिखित सुझाव अपनाएं

अलग–अलग सब्जियां और फल

हर दिन विभिन्न रंग और प्रकार की सब्जियां और फल अपने भोजन में शामिल करें। ये एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन्स और मिनरल्स का अच्छा स्रोत होते हैं, जो शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। हर रंग की सब्जी और फल अलग–अलग पोषक तत्व प्रदान करते हैं, इसलिए जितना हो सके विविधता बनाए रखें।

प्रोटीन का स्रोत

प्रोटीन शरीर की कोशिकाओं के निर्माण और मरम्मत के लिए आवश्यक है। मछली, चिकन, अंडे, दालें, और बीन्स जैसे स्रोत आपके आहार में प्रोटीन की पूर्ति करते हैं। शाकाहारी लोगों के लिए भी प्रोटीन प्राप्ति के अच्छे विकल्प हैं, जैसे कि दाल, छोले, सोयाबीन और पनीर। ये न सिर्फ मांसपेशियों को मजबूत करते हैं, बल्कि ऊर्जा भी प्रदान करते हैं।

साबुत अनाज का उपयोग

सफेद चावल और मैदा जैसे रिफाइंड अनाज की जगह ब्राउन राइस, ओट्स, बाजरा, ज्वार, और क्विनोआ जैसे साबुत अनाज का सेवन करें। इनमें अधिक फाइबर होता है, जो पाचन को सुधारता है और लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस करवाता है। साबुत अनाज ब्लड शुगर लेवल को भी नियंत्रित रखने में सहायक होते हैं।

हेल्दी फैट्स

जैतून का तेल, अलसी के बीज, अखरोट, बादाम और अन्य नट्स में हेल्दी फैट्स पाए जाते हैं, जो दिल की सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। खाने में मक्खन या घी की जगह इनका उपयोग करें। हेल्दी फैट्स शरीर में सूजन को कम करने और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं।

खाना पकाने का तरीका

खाना पकाते समय उसे स्टीम, ग्रिल या हल्का रोस्ट करके पकाएं ताकि उसके पोषक तत्व सुरक्षित रहें। डीप फ्राई करने से तेल की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है। स्टीमिंग से सब्जियों के विटामिन और मिनरल्स सुरक्षित रहते हैं, जो उबालने या डीप फ्राई करने में नष्ट हो सकते हैं।

पोर्शन कंट्रोल

हर भोजन में खाने की मात्रा का ध्यान रखें और अपनी भूख के अनुसार खाएं। ओवरईटिंग से वजन बढ़ सकता है और पाचन संबंधी समस्याएं भी हो सकती हैं। खाने की छोटी प्लेट में भोजन परोसें और धीरे–धीरे खाएं, जिससे पेट भरा हुआ महसूस होगा और कम खाने की आदत विकसित होगी।

नमक, चीनी और अनहेल्दी फैट

खाने में अधिक नमक और चीनी डालने से ब्लड प्रेशर और डायबिटीज जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ता है। अतिरिक्त शुगर और नमक से मोटापा और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं होती हैं। प्रोसेस्ड फूड्स से बचें और प्राकृतिक स्वादों को अपनाएं, जैसे कि नींबू, धनिया, और हल्दी, जो बिना नुकसान पहुंचाए स्वाद बढ़ाते हैं।

संतुलित आहार

हर थाली में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, और फाइबर का सही संतुलन बनाए रखें। उदाहरण के लिए, दाल, सब्जी, रोटी और सलाद का संयोजन एक संतुलित थाली बनाता है। ये सभी मिलकर शरीर को आवश्यक ऊर्जा, मांसपेशियों की मजबूती और अच्छे पाचन के लिए जरूरी तत्व प्रदान करते हैं। संतुलित आहार से शरीर स्वस्थ रहता है और ऊर्जा बनी रहती है। घर के खाने को सही तरीके से बनाकर और संतुलित आहार की आदत डालकर आप अपनी सेहत को बेहतर बना सकते हैं।

पार्टी के बाद अपनी त्वचा को डिटॉक्स कैसे करें, इन 7 टिप्स को फॉलो कीजिए

पार्टियां करना आखिर किस को पसंद नहीं है। हम सभी लेट नाइट पार्टियां या नॉर्मल पार्टी में जरुर जाते हैं। जहां अपने चेहरे पर काफी मेकअप करके जाते हैं। भारी मेकअप चेहरे पर देर रात तक रहना और पार्टी का स्वादिष्ट भोजन खाने से आपकी त्वचा एकदम सुस्त, थकी हुई बन जाती है, जो डिटॉक्स की जरूरत वाली दिखने लगती है। आइए जानते हैं किस तरह से अपने चेहरे को डिटॉक्स कर सकते हैं।

हाइड्रेशन जरुरी है

अपने चेहरे को हाइड्रेट करने के लिए खूब पानी पिएं और शरीर में मौजूद विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने के लिए कैमोमाइल जैसी हर्बल टी का सेवन जरुर करें। हाइड्रेशन के लिए खूब पानी पिएं।

चेहरे के लिए डबल सफाई जरुरी

जब किसी पार्टी से लौटकर आते हैं, तो केवल माइसेलर पानी और मेकअप वाइप्स पर निर्भर न रहें। मेकअप को हटाने के लिए क्लींजिंग ऑयल या बाम से शुरुआत करें। इसके बाद चेहरे के बैक्टीरिया साफ करने के लिए आप सौम्य क्लींजर से फेस को क्लीन करें।

डिटॉक्सिफाइंग फेस मास्क इस्तेमाल करें

चेहरे की अशुद्धियां निकालने के लिए और ऑयल को कंट्रोल करने के लिए सप्ताह में दो बार मिट्टी या चारकोल मास्क लगाएं। चेहरे के रोमछिद्रों को क्लीन करने के लिए 10–15 मिनट तक डिटॉक्सिफाइंग फेस मास्क लगाएं। फिर चेहरे को साफ पानी से धो लें। इससे आपकी त्वचा मुलायम हो जाएगी।

सनस्क्रीन जरुर लगाएं

सनस्क्रीन लगाने से काले–धब्बे और पिगमेंटेशन को रोकता है। सनस्क्रीन लगाने से आपकी त्वचा चमकदार बनती है और पार्टी के लिए भी तैयार रहती है।

आईस फेशियल करें

अपने चेहरे पर ठंडे टी बैग्स या खीरे से देर रात की सूजन को कम करने के लिए और सर्कुलेशन को बढ़ावा देने के लिए चेहरे की मालिश करें। जिससे त्वचा तरोताजा हो जाएगी। आप बर्फ टुकड़े थोड़ी देर रखकर उस पानी से चेहरे को धो सकते हैं या फिर सिकाई कर सकते हैं।

नींद को प्राथमिकता दें

अच्छी त्वचा के लिए चेहरे की मरम्मत के लिए नींद लेना भी काफी जरुरी है। अपनी त्वचा को प्राकृतिक रुप से पुनर्जीवित करने में मदद के लिए बढ़िया आराम से सोएं।

सौम्य एक्सफोलिएशन जरुरी

मृत कोशिकाओं को हटाने और ब्रेकआउट से बचने के लिए पार्टी के एक या दो दिन बाद हल्के एक्सफोलिएंट का उपयोग करें, जिससे आपकी त्वचा चिकनी और चमकदार हो जाएगी।

रोज नमकीन चावल खाकर बोर हो गए हैं, तो कॉर्न पुलाव करें ट्राई, नोट करे रेसिपी

सुबह–शाम हर समय एक जैसा खाना खाकर हम सभी बोर हो जाते हैं। जिस वजह से बाहर का जंक फूड अच्छा लगने लगता है। अगर आप भी घर पर एक ही टाइफ के नमकीन चावल खाकर बोर हो गए हैं तो आप एक बार कॉर्न पुलाव जरुर खाएं। जिन लोगों को स्वीट कॉर्न खाना पसंद हैं उन्हें ये पुलाव जरुर खाना चाहिए। आइए आपको कॉर्न पुलाव बनाने का सबसे इजी तरीका बताते हैं।आस–पास के सबसे अच्छे रेस्टोरेंट

सामग्री

– बासमती राइस
– अमेरिकन कॉर्न
– घी या सरसों का तेल
– प्याज
– अदरक लहसुन का पेस्ट
– नमक
– हरी मिर्च
– लौंग
– गर्म पानी
– हरा धनिया
– नींबू का रस
– अलग रंग की शिमला मिर्च
– कद्दूकस किया नारियल

कॉर्न पुलाव बनाने की विधि

सबसे पहले आप बासमती चावल को धो ले कम से कम 15–20 मिनट के लिए पानी में भिगो दें। इसके बाद हरी मिर्च, धनिया पत्ती को पीसकर पेस्ट बना लें। अब एक पैन लें, उसमें जैतून का तेल डालें। फिर तेल गर्म होने पर इसमें डालें जीरा, लौंग, तेज पत्ता, काली मिर्च, कटा हुआ प्याज, कटी हुई हरी मिर्च अदरक लहसुन का पेस्ट और हरी मिर्च का पेस्ट डालें। अब आप इसे अच्छे से भूनें और इसके बाद अमेरिकन कॉर्न डालें। चावल को छान लें और इसे पैन में डालें। अब मिक्स करें और फिर गर्म पानी में थोड़ा नमक डालें और 15 मिनट तक पकाएं। चावल पकने के बाद नींबू का रस डालें। आखिर में आप अलग–अलग रंग की शिमला मिर्च को भून कर डाल दें। धनिया पत्ती और कद्दूकस किया नारियल से गर्निश करें और फिर सर्व करें।

संक्षिप्त

कम से कम 45 दिन खराब नहीं होने वाले खाद्य उत्पादों की डिलिवरी करें अश्वनलाइन मंच : एफएसएसएआई

नयी दिल्ली। बढ़ती उपभोक्ता शिकायतों के बीच भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने ई–कॉमर्स कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे अपने मंच के माध्यम से ग्राहकों को ऐसे खाद्य पदार्थ की बिक्री सुनिश्चित करें जो कम से कम 45 दिन तक खराब नहीं (शेल्फ लाइफ) हों। मंगलवार को जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि एफएसएसएआई ने ई–कॉमर्स एफबीओ के लिए अनुपालन आवश्यकताओं को सुदृढ़ करने के लिए ई–कॉमर्स खाद्य व्यवसाय संचालकों (एफबीओ) के साथ एक बैठक बुलाई। बयान में कहा गया, ''एफएसएसएआई के मुख्य कार्यपालक अधिकारी गंजी कमला वी राव (सीईओ) ने ई–कॉमर्स एफबीओ ऐसे व्यवहार अपनाने को कहा जिसके तहत उपभोक्ताओं को डिलिवरी के समय खाद्य उत्पाद की न्यूनतम शेल्क लाइफ 30 प्रतिशत या 45 दिन बची हो।'' बैठक की अध्यक्षता करने वाले राव ने स्पष्ट किया कि ई–कॉमर्स मंच पर किए गए किसी भी उत्पाद के दावे उत्पाद लेबल पर दी गई जानकारी के अनुरूप होने चाहिए और एफएसएसएआई के लेबलिंग और प्रदर्शन विनियमों का पालन करना चाहिए। उन्होंने एफबीओ को ऑनलाइन बिना समर्थन वाले दावे करने के खिलाफ भी आगाह किया। नियामक ने कहा, ''इससे भ्रामक जानकारी को रोका जा सकेगा और उपभोक्ताओं के सटीक उत्पाद विवरण प्राप्त करने के अधिकार की रक्षा होगी।

एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक घरेलू प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण बैंकों की सूची में शामिल

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने भारतीय स्टेट बैंक, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक को फिर से घरेलू प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण बैंकों (डी–एसआईबी) की सूची में शामिल किया है। केंद्रीय बैंक ने डी–एसआईबी की सूची जारी की। इस सूची में शामिल होने के लिए ऋणदाताओं को उस 'बकेट' के अनुसार पूंजी संरक्षण भंडार के अतिरिक्त उच्च 'कॉमन इक्विटी टियर 1' (सीईटी 1) बनाए रखना आवश्यक है, जिसके अंतर्गत इसे वर्गीकृत किया गया है। सूची के अनुसार, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) अब भी 'बकेट 4' में बना हुआ है, जिसके लिए देश के सबसे बड़े ऋणदाता को 0.80 प्रतिशत का अतिरिक्त सीईटी 1 रखना होगा। निजी क्षेत्र

के सबसे बड़ा ऋणदाता एचडीएफसी बैंक को 'बकेट 2' में रखा गया है, जिसके तहत उसे 0.40 प्रतिशत अधिक सीईटी 1 बनाए रखना होगा। केंद्रीय बैंक ने कहा कि, एसबीआई तथा एचडीएफसी बैंक के लिए उच्च डी–एसआईबी अधिभार एक अप्रैल 2025 से लागू होगा। ''इसलिए 31 मार्च 2025 तक एसबीआई और एचडीएफसी बैंक पर लागू डी–एसआईबी अधिभार क्रमशः 0.60 प्रतिशत और 0.20 प्रतिशत होगा।'' आईसीआईसीआई बैंक को 'बकेट 1' में वर्गीकृत किया गया है, जिसमें निजी क्षेत्र के दूसरे सबसे बड़े ऋणदाता को सीईटी 1 भंडार में अतिरिक्त 0.20 प्रतिशत बनाए रखना होगा। आरबीआई ने कहा कि यह वर्गीकरण 31 मार्च 2024 तक बैंकों से एकत्र किए गए आंकड़ों पर आधारित है। केंद्रीय बैंक ने पहली बार 2014 में डी–एसआईबी से निपटने के लिए रूपरेखा की घोषणा की थी। 2015 और 2016 में एसबीआई और आईसीआईसीआई बैंक को इस सूची में शामिल किया था। 2017 में अन्य दो बैंकों के साथ एचडीएफसी बैंक को भी सूची में शामिल किया गया था।

त्योहारी मांग से अक्टूबर में यात्री वाहनों की थोक बिक्री में मामूली वृद्धि : सियाम

नयी दिल्ली । यात्री वाहनों की थोक बिक्री अक्टूबर में सालाना आधार पर मामूली बढ़त के साथ 3,93,238 इकाई हो गयी। उद्योग संगठन सियाम ने यह जानकारी दी। अक्टूबर 2023 में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 3,89,714 इकाई थी। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने बयान में कहा, पिछले महीने कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 14 प्रतिशत बढ़कर 21,64,276 इकाई हो गई, जबकि अक्टूबर 2023 में यह 18,95,799 इकाई थी। स्कूटर की बिक्री अक्टूबर में 22 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 7,21,200 इकाई रही। मोटरसाइकिल की थोक बिक्री पिछले महीने 11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 13,90,696 इकाई हो गई, जबकि अक्टूबर 2023 में यह 12,52,835 इकाई थी। अक्टूबर में मोपेड की बिक्री घटकर 52,380 इकाई रह गई, जबकि एक वर्ष पूर्व इसी माह यह 53,162 इकाई थी। तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री पिछले महीने मामूली गिरावट के साथ 76,770 इकाई रह गई, जबकि अक्टूबर 2023 में यह 77,344 इकाई थी। सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने कहा, '' अक्टूबर 2024 में दो प्रमुख त्यौहार दशहरा और दिवाली होने से उपभोक्ता मांग बढ़ी जिससे मोटर वाहन उद्योग को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिला...'' उन्होंने कहा कि यात्री वाहनों ने 0.9 प्रतिशत की वृद्धि के साथ अक्टूबर में 3.93 लाख इकाइयों की अपनी उच्चतम बिक्री दर्ज की। मेनन ने कहा कि दोपहिया वाहन खंड ने भी 2024 में अक्टूबर की अब तक की सबसे अधिक बिक्री दर्ज की। उन्होंने कहा, '' यह उच्च वृद्धि वाहन पंजीकरण आंकड़ों में भी परिलक्षित हुई। अक्टूबर 2024 में यात्री वाहनों और दोपहिया वाहनों दोनों के पंजीकरण में सालाना आधार पर 30 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि देखी गई।

गौतम गंभीर और रिकी पोंटिंग के बीच छिड़ी जुबानी जंग, विराट कोहली की फॉर्म को बनाया

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के तहत पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जानी है। इस सीरीज के लिए भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया पहुंच चुकी है। इस सीरीज से पहले दोनों देशों के बीच जुबानी जंग शुरू हो गई है। ये जुबानी जंग भारतीय हेड कोच गौतम गंभीर और रिकी पोंटिंग के बीच चल रही है।

बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जिसमें भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जानी है। इस सीरीज के लिए भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया पहुंच चुकी है। इस सीरीज से पहले दोनों देशों के बीच जुबानी जंग शुरू हो गई है। ये जुबानी जंग भारतीय हेड कोच गौतम गंभीर और रिकी पोंटिंग के बीच चल रही है, जिसकी शुरुआत रिकी पोंटिंग ने की थी, फिर गौतम गंभीर ने इसका करारा जवाब दिया था। अब रिकी पोंटिंग ने उस करारे जवाब पर पलटवार किया है। फिलहाल ये विवाद उस समय शुरू हुआ जब रिकी पोंटिंग ने आईसीसी पॉडकास्ट पर बात करते हुए भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली की हालिया फॉर्म पर सवाल उठाए। पोंटिंग ने कहा कि पिछले पांच सालों में विराट ने 60 टेस्ट पारियों में सिर्फ तीन शतक लगाए हैं, जो उनके जैसे टॉप बल्लेबाज के लिए बहुत कम है। उन्होंने ये भी कहा कि अगर कोहली जैसा कोई और बल्लेबाज ऐसा प्रदर्शन करता तो शायद अब तक टीम से बाहर हो चुका होता। पोंटिंग के मुताबिक, पिछले पांच सालों में एक टॉप ऑर्डर बैट्समैन का सिर्फ तीन शतक लगाया चिंताजनक है। रिकी पोंटिंग की इस टिप्पणी पर भारतीय कोच गौतम गंभीर ने करारा जवाब दिया था। प्रेस कॉन्फ्रेंस में गंभीर ने कहा कि, पोंटिंग का भारतीय क्रिकेट से कोई लेना–देना नहीं है, उन्हें अपने देश की टीम पर ध्यान देना चाहिए। विराट और रोहित जैसे खिलाड़ी भारतीय क्रिकेट के लिए बहुत अहम है और उन्होंने भारतीय क्रिकेट में बहुत योगदान दिया है। आगे भी देते रहेंगे मैं उनके फॉर्म को लेकर चिंतित नहीं हूं। हालंकि, पोंटिंग इसके बाद चुप नहीं बैठे उन्होंने गंभीर की प्रतिक्रिया पर पलटवार किया। उन्होंने गंभीर को तेज–तर्रार व्यक्तित्व वाला बताया और कहा कि उन्हें उनसे ऐसी ही प्रतिक्रिया की उम्मीद थी। पोंटिंग ने ये भी कहा कि, मेरा इरादा कोहली की आलोचना करना नहीं था, बल्कि मेरा मानना है कि कोहली हमेशा ऑस्ट्रेलिया में अचछा प्रदर्शन करते हैं और इस बार भी उनका अच्छा प्रदर्शन देखने को मिलेगा।

पर्थ टेस्ट में कमेंट्री नहीं करेंगे पोंटिंग–लैंगर, आईपीएल नीलामी में रहेंगे व्यस्त

रिकी पोंटिंग और उनके साथ जस्टिन लैंगर भारत के खिलाफ 22 नवंबर से शुरू हो रहे पर्थ टेस्ट में कमेंट्री नहीं कर पाएंगे। दरअसल, वे अपने आईपीएल टीमों के साथ 24 और 25 नवंबर को जेद्दा में होने वाला मेगा नीलामी के लिए मौजूद रहेंगे। ऑस्ट्रेलियाई अखबार द एज के मुताबिक वहां के आधिकारिक ब्रॉडकास्टर चौनल सेवन पर नहीं दिखेंगे। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग और उनके साथ जस्टिन लैंगर भारत के खिलाफ 22 नवंबर से शुरू हो रहे पर्थ टेस्ट में कमेंट्री नहीं कर पाएंगे। दरअसल, वे अपने आईपीएल टीमों के साथ 24 और 25 नवंबर को जेद्दा में होने वाला मेगा नीलामी के लिए मौजूद रहेंगे। ऑस्ट्रेलियाई अखबार द एज के मुताबिक वहां के आधिकारिक ब्रॉडकास्टर चौनल सेवन पर नहीं दिखेंगे। इससे ऑस्ट्रेलियाई टीम को नुकसान हो सकता है। टीम आगामी बॉर्डर–गावस्कर सीरीज के शुरुआती मैच में एक अहम बैकरूम कोच खो सकती है। पंजाब किंग्स के मुख्य कोच नियुक्त किए गए रिकी पोंटिंग और लखनऊ सुपर जायंट्स के कोच लैंगर को आईपीएल नीलामी में ऑस्ट्रेलियाई टीम के सहायक कोच डेनियल विटोरी के साथ शामिल हो सकते हैं। विटोरी सनराइजर्स हैदराबाद के कोच हैं। द एज कि रिपोर्ट के अनुसार, अगर सेवन क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सामने भारत के शक्तिशाली क्रिकेट अधिकारियों के खिलाफ अपने हितों की रक्षा करने में कामयाब नहीं होता है तो पोंटिंग, लैंगर और ऑस्ट्रेलियाई सहायक कोच विटोरी पर्थ टेस्ट में नहीं होंगे। सेवन का ऑस्ट्रेलिया में मैच के प्रसारण के लिए फॉक्सटेल के साथ सात साल का 1.5 अरब ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का करार है। इसके बावजूद कई लोगों को डर है कि वे पोंटिंग या लैंगर को पर्थ टेस्ट के अंतिम तीन कमेंट्री करते नहीं देख पाएंगे। पिछले साल दिसंबर में मिनी ऑक्शन हुआ था और तब पाकिस्तान की टीम ऑस्ट्रेलियाई दौर पर थी। तब दिल्ली कैपिटल्स के कोच रहे पोंटिंग पर्थ टेस्ट की तीसरे दिन नीलामी में भाग लेने के लिए मैच छोड़कर रवाना हो गए थे। जबकि लैंगर मैच के अंत तक बने रहे।

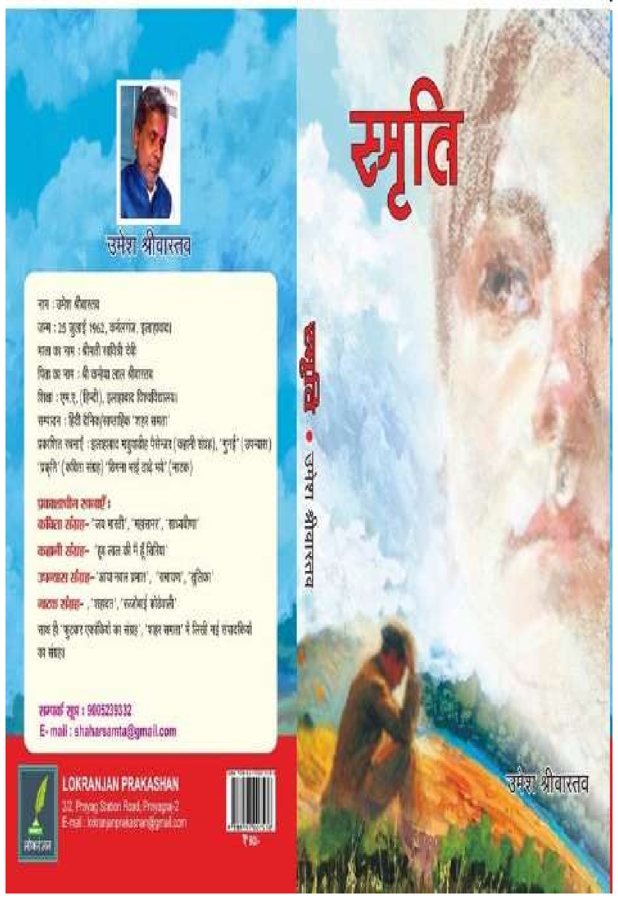

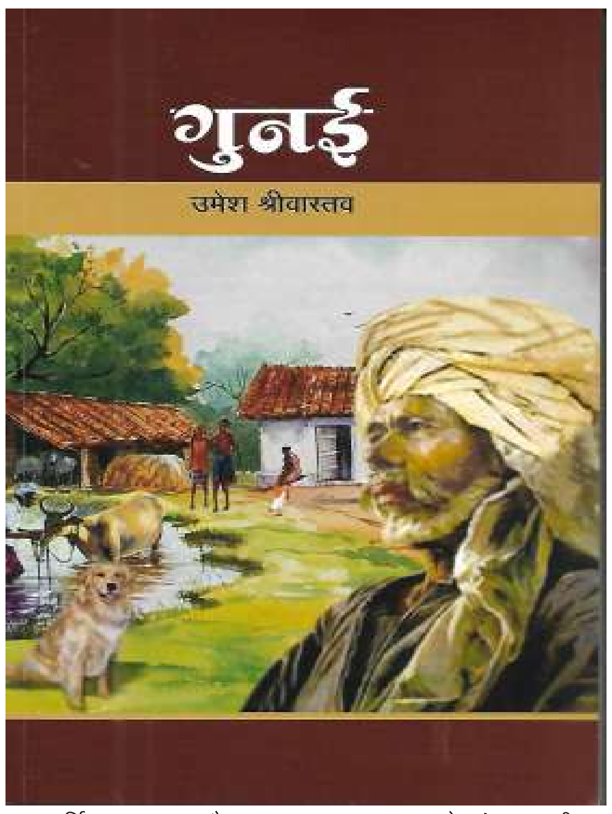

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

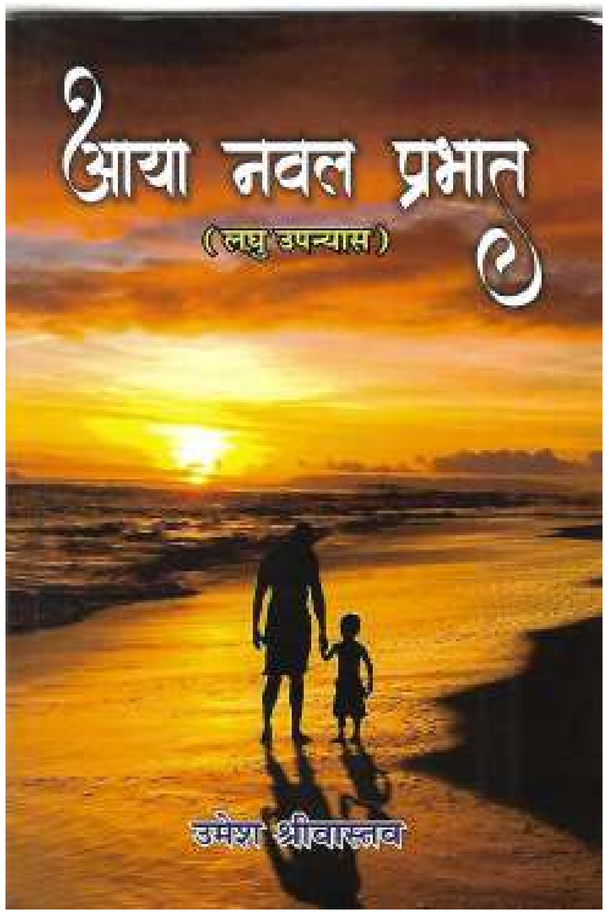

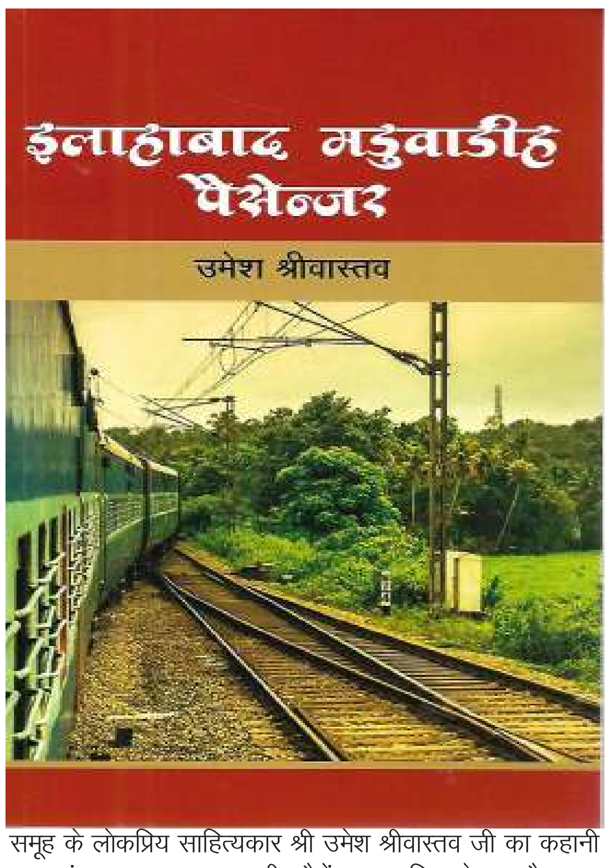

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

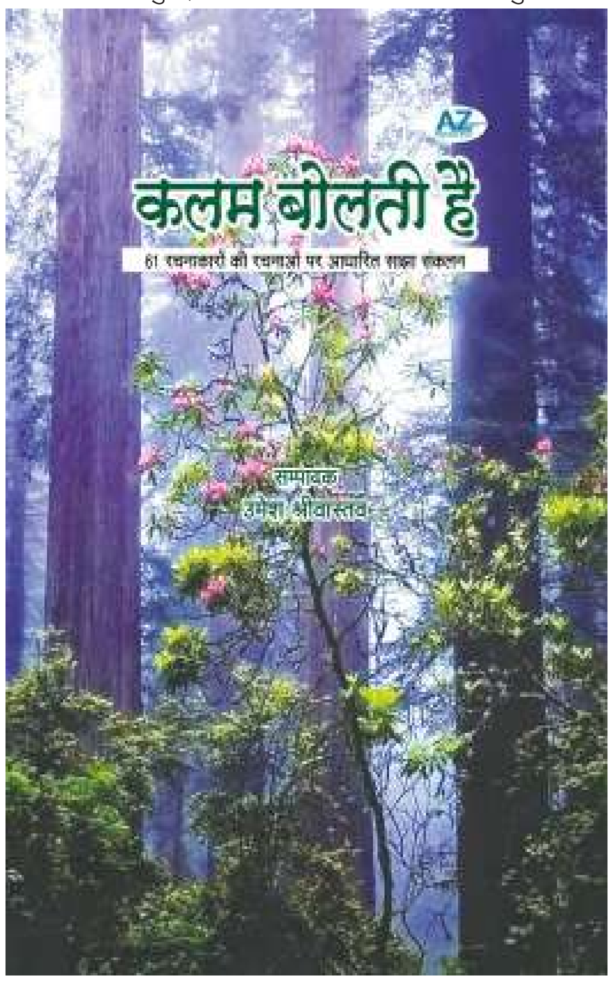

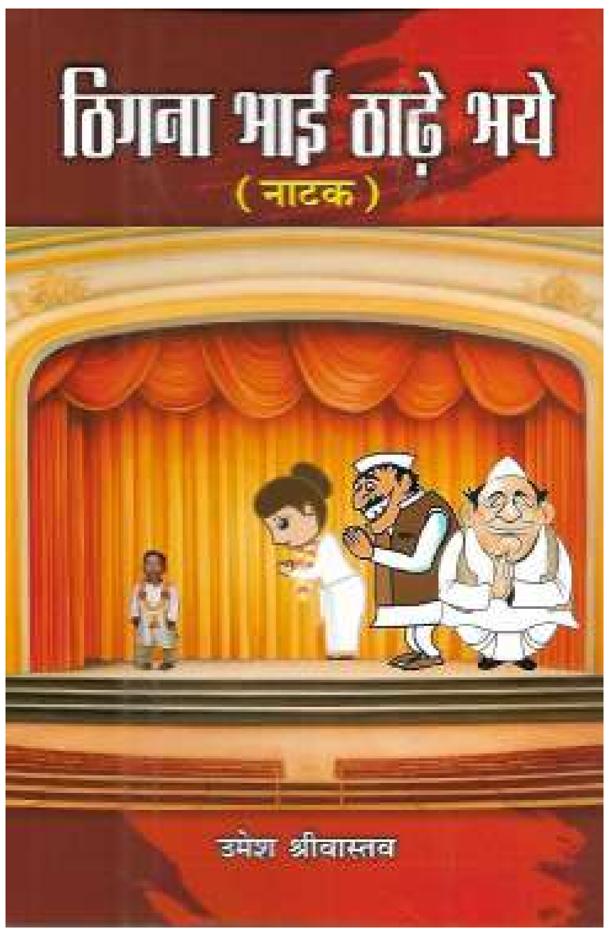

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

विमानों पर गोली चलने के बाद अमेरिका ने हैती जाने वाली उड़ानों पर रोक लगाई

पोर्ट ऑ प्रिंस (हैती)। संघीय विमानन प्रशासन ने घोषणा की कि उसके दो विमानों पर कुछ गिरोहों द्वारा गोली चलाने की घटना के मद्देनजर वह अमेरिकी विमानन कंपनियों को 30 दिन

के लिए हैती की उड़ान भरने से रोक देगा। उसने कहा कि संयुक्त राष्ट्र अस्थायी रूप से पोर्ट ऑ प्रिंस के लिए उड़ानों को निलंबित कर देगा, जिससे हैती में आने वाली मानवीय सहायता सीमित हो जाएगी। स्पिरिट एयरलाइन्स का एक विमान सोमवार को जब हैती की राजधानी में उतरने वाला था तो गोली लगने से एक विमान कर्मी घायल हो गया और विमानपत्तन को बंद करना पड़ा। एसोसिएटिड प्रेस को मिली घटना की तस्वीर और वीडियो में विमान के अंदर गोली लगने से हुए छेद देखे जा सकते हैं। मंगलवार को जेटब्लू एयरलाइन्स ने घोषणा की कि सोमवार को पोर्ट ऑ प्रिंस में उतरते समय उसके विमान पर भी गोली चलाई गई। हैती में राजनीतिक उथल–पुथल भरी प्रक्रिया के बाद नए प्रधानमंत्री के शपथ लेने के साथ हिंसा का दौर शुरू हो गया। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि उसे हैती में सोमवार को हिंसा के दौरान 20 सशस्त्र संघर्षों की और सड़कें अवरुद्ध होने से मानवीय आपूर्ति रुक जाने की जानकारी मिली है। पोर्ट ऑ प्रिंस हवाईअड्डा 18 नवंबर तक बंद रहेगा। दुजारिक ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र विमानों को देश के दूसरे हवाईअड्डे कैप हैतीन की ओर भेजेगा। देश के उत्तर में स्थित यह विमानपत्तन अधिक शांतिपूर्ण है।

श्रीलंका में 14 नवंबर को संसदीय चुनाव, 1977 के बाद पहली बार मैदान में नहीं उतरे विक्रमसिंघे

निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए सभी इंतजामों के साथ श्रीलंका गुरुवार अपना संसदीय चुनाव कराने जा रहा है। देशभर में 13,314 से अधिक मतदान केंद्रों पर 14 नवंबर को स्थानीय समयानुसार सुबह सात बजे से अपराह्न चार बजे तक मतदान होगा। निर्वाचन आयोग के महानिदेशक समन श्री रत्नानायके ने कहा कि मतदान केंद्रों पर आवश्यक सभी मतपेटियां तथा अन्य उपकरण बुधवार को भेजे जाएंगे। इस चुनाव में श्रीलंका की 2.1 करोड़ आबादी के 1.7 करोड़ से

अधिक मतदाता वोट डालने के पात्र हैं। इस चुनाव में संसद के 225 सदस्यों को चुना जाएगा। यह चुनाव राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ पार्टी 'नेशनल पीपुल्स पावर' की लोकप्रियता की पहली बड़ी परीक्षा होंगे। श्रीलंका में 21 सितंबर के राष्ट्रपति चुनाव में 50 प्रतिशत वोट हासिल करने में विफल रहने के बाद दिसानायके अपने भ्रष्टाचार विरोधी जवाबदेही सुधारवादी कार्यक्रम को लागू करने के लिए मजबूत संसद की वकालत कर रहे हैं। पिछले महीने के राष्ट्रपति चुनाव में दिसानायके से हारने वाले निवर्तमान राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे 1977 के बाद से पहली बार कोई संसदीय चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। राजपक्षे बंधु – महिंदा, गोटबाया, चमल और बासिल दशकों तक प्रतिनिधित्व के बाद संसदीय चुनाव नहीं लड़ेंगे। भारत ने लगातार श्रीलंका का बुरे वक्त में साथ दिया है। चाहे वो जरूरत का सामान मुहैया कराना हो या आईएमएफ से मदद के लिए निगोशिएशन करना हो। भारत ने 4 बिलियन डॉलर की सहायता दी है। ये रकम आईएमएफ के बेल आउट पैकेज से एक बिलियन डॉलर ज्यादा है। मानवीय सहायता देने के अलावा लाइन ऑफ क्रेडिट जिसमें 700 मिलियन डॉलर की लागत का पेट्रोलियम भी दिया जा रहा है। कोविड के दौरान भारत ने पांच लाख वैक्सीन श्रीलंका को दी थी। 150 टन ऑक्सीजन भी मुहैया कराई गई थी।

न्यायाधीश ने 'पोर्नस्टार' मामले में ट्रंप की दोषसिद्धी को लेकर फैसला टाला

अमेरिका के एक न्यायाधीश ने'पोर्नस्टार' को पैसा देने के मामले में नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दोषसिद्धी को रद्द करने के संबंध में अपना निर्णय स्थगित कर दिया है, क्योंकि उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रपति को मुकदमे से छूट को लेकर एक निर्णय दिया है। न्यूयॉर्क के न्यायाधीश जुआन एम. मर्चेन मंगलवार को फैसला सुनाने वाले थे। लेकिन, उन्होंने ट्रंप के वकीलों से कहा कि वह 19 नवंबर तक फैसला टाल रहे हैं। ईमेल के जरिये किये गए अनुरोध में ट्रंप के वकीलों ने फैसला सप्ताहांत तक स्थगित करने का अनुरोध करते हुए दलील दी कि ''स्थगन के अनुरोध के लिए पुख्ता कारण हैं, और अंततः न्याय के हित में मामले को खारिज कर दिया जाना चाहिए।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
. 919450482227

उत्तर कोरिया के साथ मिलकर बड़ी तैयारी में रूस, कर ली बड़ी डिफेंस डील, संधि के वो फायदे जो किम जोंग उन को मिलेंगे

उत्तर कोरिया ने रूस के साथ पारस्परिक सैन्य सहायता निर्धारित करते हुए एक प्रमुख रक्षा संधि की पुष्टि की, उत्तर के राज्य मीडिया ने मंगलवार को रिपोर्ट दी, क्योंकि अमेरिका, दक्षिण कोरिया और यूक्रेन का कहना है कि उत्तर कोरिया ने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध का समर्थन करने के लिए रूस में हजारों सैनिक भेजे हैं। जून में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन द्वारा हस्ताक्षर किए जाने के बाद रूस ने पिछले सप्ताह संधि का अनुसमर्थन पूरा कर लिया था। शीत युद्ध की समाप्ति के बाद से इसे दोनों देशों का सबसे बड़ा रक्षा सौदा माना जाता है। सरकारी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने कहा कि

व्यापक रणनीतिक साझेदारी संधि तब प्रभावी होगी जब दोनों पक्ष अनुसमर्थन पर दस्तावेजों का आदान–प्रदान करेंगे। केसीएनए ने कहा कि उत्तर कोरिया ने सोमवार को देश के राज्य मामलों के अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित एक डिक्री के माध्यम से किम की उपाधियों में से एक का उपयोग करते हुए संधि की पुष्टि की। दक्षिण कोरिया के एकीकरण मंत्रालय के अनुसार, उत्तर कोरिया की रबर–स्टैंप संसद, सुप्रीम पीपुल्स असेंबली को संधियों को मंजूरी देने का अधिकार है, लेकिन किम एकतरफा रूप से प्रमुख संधियों की पुष्टि कर सकते हैं। संधि के अनुसार दोनों देशों को हमला होने पर तत्काल सैन्य सहायता प्रदान करने के लिए सभी उपलब्ध साधनों का उपयोग करना होगा। कुछ पर्यवेक्षकों का अनुमान है कि दोनों देशों में संधि का अनुमोदन यह संकेत दे सकता है कि उत्तर कोरिया जल्द ही औपचारिक रूप से रूस–यूक्रेन युद्ध में प्रवेश कर सकता है। अमेरिका, दक्षिण कोरियाई और यूक्रेनी खुफिया आकलन के अनुसार, संभवतः जून संधि के हिस्से के रूप में 12,000 उत्तर कोरियाई सैनिकों को रूस भेजा गया है। पिछले हफ्ते, यूक्रेनी अधिकारियों ने कहा था कि यूक्रेन और उत्तर कोरियाई सैनिक छोटे पैमाने पर लड़ाई में लगे हुए थे, जबकि यूक्रेन की सेना ने रूस के कुर्स्क सीमा क्षेत्र में उत्तर कोरियाई सैनिकों पर तोपखाने से गोलीबारी की थी। उत्तर कोरिया की सेना भेजने से लगभग तीन साल से चल रहे युद्ध के बढ़ने का खतरा है। दक्षिण कोरिया, अमेरिका और उसके साझेदारों को भी इस बात की चिंता है कि बदले में रूस उत्तर कोरिया को क्या दे सकता है। उत्तर कोरिया के पहले से ही आगे बढ़ रहे परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों को बढ़ाने के लिए संवेदनशील प्रौद्योगिकी का संभावित रूसी हस्तांतरण अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए एक खतरनाक होगा।

जयशंकर ने बुलाया, इस्लामिक देशों की बैठक के बीच अचानक भारत पहुंचे सऊदी के विदेश मंत्री

सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान अल सऊद भारत की धरती पर उतर चुके हैं। उनका प्लेन जैसे ही भारत की धरती पर लैंड हुआ वैसे ही ये खबर तेजी से फैल गई कि सऊदी अरब के विदेश मंत्री का आना भारत के लिए नई उम्मीदों से भरा होगा। बता दें कि भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर इस समय काफी व्यस्त चल रहे हैं। एक के बाद एक हो रही बैठकों का इशारा साफ है कि भारत अब बड़ी रणनीति के तहत ग्लोबल ऑर्डर में आगे बढ़ रहा है। भारत सऊदी अरब के बीच गहरे होते कूटनीतिक, सांस्कृतिक, सुरक्षा संबंधों को बढ़ते हुए देखा जा रहा है। ये किसी से छिपा नहीं है कि भारत हर स्तर पर जाकर किस तरह से मिडिल ईस्ट देशों में संपर्कों को बढ़ा रहा है। पिछले कुछ सालों में भारत सऊदी, यूएई के काफी करीब भी आया। यूएई के नेता अक्सर भारत आते हैं। सऊदी के साथ भी भारत का संपर्क निरंतर चल रहा है। इन सब के बीच जब इस्लामिक

देशों की बहुत बड़ी बैठक हो रही है। ऐसे समय पर सऊदी के विदेश मंत्री भारत के विदेश मंत्री के साथ एक बड़ी बैठक करने के लिए हिंदुस्तान की जमीन पर उतर चुके हैं। अपने इस दौरान के दौरान प्रिंस फैजल भारत सऊदी अरब रणनीतिक साझेदारी परिषद की राजनीतिक सुरक्षा, सामाजिक और सांस्कृतिक समिति की बैठक की सहअध्यक्षता करते नजर आए। साथ ही भारत के विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर से मुलाकात की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आधिकारिक यात्रा पर भारत आने पर सऊदी अरब के विदेश मंत्री एचएच प्रिंस फैसल बिन फरहान अल सऊद का हार्दिक स्वागत है। उनकी ये यात्रा बहुमुखी भारत सऊदी अरब द्विपक्षीय संबंधो को और गति प्रदान करेगी। जैसे ही प्रिंस फैजल भारत में उतरे वैसे ही कयास लगाए जाने कि अब दोनों देशों के बीच क्या कोई बड़ी डील होने वाली है। अगर आपसी स्तर पर दोनों देशों के रिश्तों को मजबूत करने का इशारा है तो ये किस स्तर पर होगा? ये सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि मीडिल ईस्ट में तनाव बढ़ रहा है। अमेरिका में ट्रंप सत्ता में लौट आए हैं। ग्लोबल ऑर्डर में बड़े फेरबदल का दौर चल रहा है। सऊदी अरब में रह रहे भारतीय प्रवासी वहां के समाज का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जो दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक आदान–प्रदान को बढ़ावा देते हैं। इस यात्रा से प्रवासी भारतीयों के लिए और बेहतर सुविधाएं तथा सहयोग के अवसर खुल सकते हैं। इसके अलावा, सऊदी अरब में काम करने वाले भारतीयों के लिए रोजगार और जीवनशैली से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा की जा सकती है, जिससे दोनों देशों के बीच संबंध और भी गहरे हो सकें। प्रिंस फैसल बिन फरहान अल–सऊद की यह भारत यात्रा न केवल द्विपक्षीय संबंधों को सुदृढ़ करेगी बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी भारत–सऊदी सहयोग को मजबूती प्रदान करेगी। इस यात्रा के बाद दोनों देशों के बीच रक्षा, व्यापार और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और गति मिलने की उम्मीद है, जिससे द्विपक्षीय संबंध नए आयामों को प्राप्त करेंगे।

भगत सिंह के नाम पर चौक का नाम बदलने की योजना रद्द करने पर पाकिस्तान सरकार की आलोचना

लाहौर। लाहौर में एक गैर–लाभकारी फाउंडेशन ने एक सेवानिवृत्त पाकिस्तानी सैन्य अधिकारी की सिफारिश पर शादमान चौक का नाम बदलकर स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह के नाम पर रखने और वहां उनकी प्रतिमा स्थापित करने की योजना को रद्द करने के लिए मंगलवार को सरकार की आलोचना की। लाहौर

महानगर निगम ने शुक्रवार को 'भगत सिंह मेमोरियल फाउंडेशन पाकिस्तान' के अध्यक्ष इम्तियाज रशीद कुरैशी द्वारा लाहौर उच्च न्यायालय में दायर अवमानना घ्घ्याचिका के जवाब में कहा कि शादमान चौक का नाम भगत सिंह के नाम पर रखने और वहां उनकी प्रतिमा लगाने की प्रस्तावित योजना को रद्द कर दिया गया है। लाहौर महानगर निगम की ओर से कहा गया कि कमोडोर (सेवानिवृत्त) तारिक मजीद द्वारा प्रस्तुत एक रिपोर्ट के आलोक में योजना को रद्द किया गया। इसमें कहा गया है कि शादमान चौक का नाम सिंह के नाम पर रखने के लिए सरकार द्वारा बनाई गई एक समिति में शामिल मजीद ने अपनी टिप्पणियों में दावा किया कि ''सिंह एक क्रांतिकारी नहीं बल्कि एक अपराधी थे, आज के संदर्भ में वह एक आतंकवादी थे, उन्होंने एक ब्रिटिश पुलिस अधिकारी की हत्या की थी और इस अपराध के लिए उन्हें दो साथियों के साथ फांसी की सजा दी गई थी।'' यहां मंगलवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए फाउंडेशन के अध्यक्ष कुरैशी ने कहा कि माजिद को क्रांतिकारी भगत सिंह को 'अपराधी और आतंकवादी' कहने से पहले सेंट्रल असेंबली में क्रांतिकारी भगत सिंह की प्रशंसा करने वाले पाकिस्तान के संस्थापक एम ए जिन्ना के भाषण को याद करना चाहिए। कुरैशी ने कहा, ''जिन्ना ने न केवल भगत सिंह और उनके साथियों के बलिदानी व्यक्तित्व की प्रशंसा की, बल्कि सबसे मजबूत इरादे के साथ उनके समर्थन में भी खड़े रहे और ब्रिटिश कानून–व्यवस्था और सिद्धांतों पर सवाल उठाए।'' उन्होंने सिंह के बारे में सरकारी रिपोर्ट को 'हास्यास्पद और इतिहास के साथ छेड़छाड़' करार दिया जिसमें इस्लामी दृष्टिकोण को विकृत तरीके से प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने कहा, ''भगत सिंह पाकिस्तान की धरती पर जन्मे एक क्रांतिकारी लाल थे और हम छद्म राजनीतिक उद्देश्यों के लिए अपने देश के इतिहास को नष्ट नहीं होने दे सकते।

भारत और अन्य विकासशील देशों ने जलवायु वित्त के लिए रखी अहम मांग, कहा– बोझ कम होने की बजाय बढ़ गया

बाकू। भारत और 190 से अधिक अन्य देशों के प्रतिनिधि संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन संधि ढांचे (यूएनएफसीसीसी) के तहत वार्षिक जलवायु वार्ता 'सीओपी 29' के लिए अजरबैजान की राजधानी बाकू में एकत्र हुए। इस दौरान ब्व्29 जलवायु वार्ता में विकसित देशों से समान वित्तीय सहायता की मांग उठी। सूत्रों ने बताया कि भारत और समान विचारधारा वाले विकासशील देशों ने चल रही सीओपी29 जलवायु वार्ता में समान वित्तीय सहायता की मांग की। इस बात पर भी चिंता जताई गई कि रिपोर्ट किए गए वित्त का लगभग 69 प्रतिशत ऋण के रूप में आया, जिससे पहले से ही कमजोर देशों पर बोझ और बढ़ गया। भारत ने समान विचारधारा वाले विकासशील देशों (स्डक्), जी77 और चीन तथा ठ।प्ब् (ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, भारत और चीन) जैसे प्रमुख समूहों से वार्षिक जलवायु वार्ता में बातचीत की। इस दौरान वह जलवायु वित्त, समानता और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की वकालत की। वहीं, जी77 और चीन (संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ता में लगभग 130 देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले सबसे बड़े समूह) ने मंगलवार को एक नए जलवायु आर्थिक लक्ष्य पर बातचीत के लिए रूपरेखा के मसौदे को अस्वीकार कर दिया। इसके अलावा, इस बार इस समिट का सबसे अहम मकसद निर्धारित नए लक्ष्यों को हासिल करना रहा। संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन पर रूपरेखा सम्मेलन (यूएनएफसीसीसी) के 29वें सम्मेलन (सीओपी29) में सामूहिक रूप से बातचीत की जा रही है और वैश्विक ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को नियंत्रण में रखने के लिए काम किया जा रहा है। बातचीत के दौरान समान विचारधारा वाले विकासशील देशों ने प्रभावी जलवायु कार्रवाई में बाधा डालने वाले दबावपूर्ण वित्तीय अंतराल को दूर करने के लिए सामान्य लेकिन अलग–अलग जिम्मेदारियों के सिद्धांत पर जोर दिया। विकासशील देशों ने अफ्रीकी समूह और अरब समूह के साथ मिलकर वर्षों पहले निर्धारित 100 अरब डॉलर के वार्षिक जलवायु वित्त लक्ष्य तक पहुंचने में विकसित देशों की जवाबदेही पर सवाल उठाया, जो विवादास्पद बना हुआ है। विकासशील देशों ने कहा कि इस वित्तीय प्रतिबद्धता को पूरा करना सभी में विश्वास बनाने के लिए महत्वपूर्ण कदम हो सकता है।

ट्रंप कैबिनेट का हिस्सा बने भारतवंशी विवेक रामास्वामी, मस्क के साथ संभालेंगे DOGE का जिम्मा, जानें यह क्या

वॉशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने

दिग्गज कारोबारी एलन मस्क और उद्यमी विवेक रामास्वामी को बड़ी जिम्मेदारी दी है। वे अब सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) का नेतृत्व करेंगे। ट्रंप ने एक बयान में कहा, मस्क और रामास्वामी मेरे प्रशासन के लिए सरकारी नौकरशाही को खत्म करने, अतिरिक्त नियमों को कम करने, फिजूल खर्चों में कटौती करने और संघीय एजेंसियों के पुनर्गठन का मार्ग प्रशस्त करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी जिम्मेदारी चार जुलाई 2026 को समाप्त हो जाएगी, जब अमेरिकी आजादी की 250वीं वर्षगांठ होगी। यह कुशल सरकार देश के लिए एक श्तोहफाश होगी।

चुनाव में रामास्वामी ने दिया था ट्रंप को समर्थन

मस्क इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला, सोशल मीडिया मंच एक्स के मालिक हैं, जबकि रामास्वामी एक फार्मास्यूटिकल कंपनी के संस्थापक हैं। रामास्वामी पिछले साल रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवारों की दौड़ में शामिल थे। हालांकि, बाद में उन्होंने ट्रंप को समर्थन देने का फैसला किया था।

ट्रंप के अभियान में मस्क में दिया था योगदान

मस्क ने ट्रंप के चुनाव अभियान के लिए लिए लाखों डॉलर का योगदान दिया था और उनके साथ कई सार्वजनिक कार्यक्रमों में भी नजर आए थे। ट्रंप ने यह भी कहा था कि दुनिया के सबसे अमीर शख्स मस्क उनके प्रशासन में सरकारी कार्यक्षमता को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाएंगे।

एलन मस्क ने भी ट्रंप के फैसले पर प्रतिक्रिया दी

ट्रंप प्रशासन ने इस नए विभाग का संक्षिप्त नाम श्डोजश रखा है, जो एक तरह से क्रिप्टोकरंसी डॉजकॉइन के नाम से मेल खाता है, जिसे लिए मस्क प्रोत्साहित करते हैं। मस्क ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह सिस्टम में हलचल मचा देगा और सरकारी फिजूल खर्ची में शामिल सभी लोग इसके असर को महसूस करेंगे। ट्रंप ने इस नई पहल को श्अपने समय का मैनहट्टन प्रोजेक्टश बताया है। यह एक अमेरिकी परियोजना थी, जिसके तहत परमाणु बम का निर्माण हुआ था। इसने द्वितीय विश्व युद्ध को समाप्त करने में मदद की थी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

पाकिस्तान में बस के सिंधु नदी में गिरने से 16 लोगों की मौत

पाकिस्तान के पहाड़ी गिलगित–बाल्टिस्तान क्षेत्र में एक बस के सिंधु नदी में गिर जाने से कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई और एक महिला घायल हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि बस में सवार सभी लोग एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए जा रहे थे। 'डॉन' अखबार की खबर के अनुसार, बस एस्टोर से पंजाब के चकवाल जिले जा रही थी, तभी यह तेलची पुल से नदी में गिर गई। स्थानीय पुलिस अधिकारी ने पुष्टि की कि 16 शव बरामद किए गए हैं, जबकि शेष लोगों की तलाश जारी है।

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।